दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 221
मुरादाबाद
(Wednesday)
03 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

कारोबारियों को SGST और स्टांप ड्यूटी पर मिलेगी छूट, कैबिनेट ने 20 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

राजधानी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें पेश किए गए 21 प्रस्तावों में से 20 पर मुहर लगी।राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें 21 प्रस्ताव पेश किए गए, जिसमें 20 पर मंत्रिपरिषद की मुहर लगी। एक 14 नंबर के प्रस्ताव को पुनर्परीक्षण के लिए भेजा गया है। यह निजी अस्पतालों को प्रोत्साहन नीति के लिए था। बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने जानकारी दी।उन्होंने बताया कि उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग करने वाले लोगों को एसजीएसटी और स्टांप ड्यूटी पर छूट दी जाएगी। इसके तहत मेरठ की मेसर्स पसवारा पेपर्स लिमिटेड को 65.67 हजार का लाभ आज दिया गया। 1.5 करोड़ का लाभ पहले दिया जा चुका है।इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के तहत एक और प्रस्ताव भी पास हुआ। इसके तहत शाहजहांपुर और मथुरा की एक-एक कपंनी को लाभ मिला। बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र बनाने के लिए निशुल्क भूमि दी जाएगी। यह योग व आरोग्य केंद्र पीपीपी मॉडल पर बनेगा। कैबिनेट ने इसे भी मंजूर किया। अयोध्या में मंदिर संग्रहालय बनाया जाएगा। साथ ही उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली 2022 में संशोधन किया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में शामिल होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण अवधि, खेल की अवधि और इसके लिए आने-जाने में लगने वाले समय को भी ड्यूटी माना जाएगा।चंदौली में 4.91 अरब से 29.67 किमी सड़क को फोरलेन बनाया जाएगा। यह सकलडीहा, चहनियां और सैदपुर होते हुए जनपद को गाजीपुर से जोड़ेगा। काफी समय से इसकी मांग चल रही थी। अब इसे मंजूरी मिली। उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल 2022 की नियमावली पर भी संशोधन किया जाएगा। इसके जाति के आधार पर किसी भी बंदी से भेदभाव नहीं हो सकेगा। इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति-2005 एवं 2014 के तहत स्वीकृत एवं निष्क्रिय परियोजनाओं को निरस्तीकरण एवं क्रियाशील परियोजनाओं को पूर्ण कराने के लिए नीति को लागू किए जाने से रुकी हुई आवासीय परियोजनाएं पूर्ण हो सकेंगी। आर्थिक विकास को बढ़ावा भी मिलेगा। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि नए डीडीआरसी खुलने से प्रदेश में दिव्यांगजनों को एक ही जगह पर सर्वे, पहचान, शिविर, सहायक उपकरण, कृत्रिम अंग फिटमेंट और प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में दिव्यांगजनों के लिए एक अहम निर्णय लिया गया। सरकार ने राज्य के सभी 18 मंडलों में नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) खोलने को मंजूरी दे दी है।वर्तमान में प्रदेश के 38 जिलों में ऐसे केंद्र चल रहे हैं, लेकिन कुछ समस्याओं के कारण कई जगह संचालन प्रभावित हो रहा था। अब सरकार पूरे ढांचे को नए सिरे से संसाधनों से लैस करते हुए संचालित करने जा रही है, ताकि दिव्यांगजनों को मिलने वाली सेवाओं में कोई बाधा न आए।कैबिनेट के फैसले के बारे में जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि नए डीडीआरसी खुलने से प्रदेश में दिव्यांगजनों को एक ही जगह पर सर्वे, पहचान, शिविर, सहायक उपकरण, कृत्रिम अंग फिटमेंट और प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी जैसी सेवाएं भी इन केंद्रों पर दी जाएंगी। यूडीआईडी कार्ड और दिव्यांग प्रमाणपत्र जैसे जरूरी दस्तावेज बनवाने में भी अब लोगों को ज्यादा चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सरकार का मानना है कि इस फैसले से दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ समय पर और सुगमता से मिल सकेगा तथा उनके पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया मजबूत होगी।

यूपी के हर मंडल में खुलेगा दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, योगी सरकार का बड़ा फैसला

संक्षिप्त समाचार

कंगना रणौत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं...कोर्ट ने न्यू आगरा पुलिस से 15 दिन में की रिपोर्ट तलब

भाजपा सांसद कंगना रणौत के खिलाफ प्रस्तुत परिवाद में स्पेशल मजिस्ट्रेट एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह ने इंस्पेक्टर न्यू आगरा को बीएनएसएस की धारा 225 (1) के तहत आदेश देकर 15 दिनों के अंदर रिपोर्ट भेजने को कहा है।फिल्म अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा से भाजपा सांसद कंगना रणौत के खिलाफ प्रस्तुत परिवाद में स्पेशल मजिस्ट्रेट एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह ने इंस्पेक्टर न्यू आगरा को बीएनएसएस की धारा 225 (1) के तहत आदेश देकर 15 दिनों के अंदर रिपोर्ट भेजने को कहा है। वाद की की अगली सुनवाई के लिए 16 दिसंबर की तिथि नियत की है।अधिवक्ता और राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमाशंकर शर्मा ने 11 सितंबर 2024 को न्यायालय में कंगना रणौत के खिलाफ वाद प्रस्तुत किया था। आरोप था कि सांसद ने 26 अगस्त 2024 को किसानों के लिए दिए बयान में अपमानजनक बातें बोली थीं।उनके बयान से उनकी और लाखों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।अधीनस्थ न्यायालय के छह मई 2025 को परिवाद खारिज करने के बाद वादी ने आदेश के खिलाफ सत्र न्यायालय में रिवीजन प्रस्तुत किया था। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए ने रिवीजन याचिका को स्वीकार कर लिया था। वादी ने पुलिस की रिपोर्ट को अधूरा बताया था। इसके बाद न्यायालय ने दूसरी बार थाना न्यू आगरा से जांच रिपोर्ट मांगी है।

श्रीनाथजी पुलिस ने पिकअप से बरामद किया भारी विस्फोटक, 10 किलोमीटर तक तबाही मचा सकता था धमाका

अधिकारियों के अनुसार पिकअप में मौजूद विस्फोटक की मात्रा इतनी अधिक थी कि इसका ब्लास्ट बड़े पैमाने पर तबाही मचा सकता था। फिलहाल पुलिस टीम जब्त की गई सामग्री की गिनती कर रही है और उसकी नेचर तथा क्षमता की जांच कर रही है।दिल्ली में हुए कार बम धमाके के बाद राजस्थान पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। इसी बीच श्रीनाथजी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध विस्फोटक सामग्री से भरी एक पिकअप को जब्त किया है। बताया जा रहा है कि पिकअप में इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक भरा था कि अगर इसमें ब्लास्ट होता तो करीब 10 किलोमीटर के दायरे में बड़ा नुकसान हो सकता था।आमेट से नाथद्वारा ले जाया जा रहा था विस्फोटक- प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पिकअप आमेट क्षेत्र से नाथद्वारा की ओर जा रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को कब्जे में ले लिया। पिकअप में भरा विस्फोटक देखकर पुलिस टीम भी हैरान रह गई। इसके बाद तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचित किया गया और उन्हें भी घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।काउंटिंग और विस्फोटक की नेचर की जांच जारी- अधिकारियों के अनुसार पिकअप में मौजूद विस्फोटक की मात्रा इतनी अधिक थी कि इसका ब्लास्ट बड़े पैमाने पर तबाही मचा सकता था। फिलहाल पुलिस टीम जब्त की गई सामग्री की गिनती कर रही है और उसकी नेचर तथा क्षमता की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि विस्फोटक कहां से लाया गया
और इसे किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। पिकअप चालक से पूछताछ में कुछ नाम सामने आए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को गंभीरता से खंगाल रही है। पुलिस इस पूरे प्रकरण को गंभीर मानते हुए अनेक पहलुओं पर जांच बढ़ा रही है। फिलहाल वाहन चालक व संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ जारी है।

रेणुका चौधरी के संसद में कुत्ता लाने पर विवाद, राहुल गांधी बोले- बेचारे कुत्तों की क्या गलती?

संसद में कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी के कुत्ता लेकर पहुंचने पर हलचल तेज हो गई है। ऐसे में आज राहुल गांधी ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आज कुत्ता ही मुख्य चर्चा का विषय बन गया है। शायद पालतू जानवरों को अंदर आने की इजाजत नहीं है। संसद में शीतकालीन सत्र का आज दूसरा दिन है। इस बीच सरकार और विपक्षी दलों के बीच कई सारे मुद्दों पर जोरदार बहस भी हुई। हालांकि दूसरी तरह संसद में उस समय हलचल मच गई जब कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी एक छोटे कुत्ते को लेकर संसद परिसर पहुंच गईं। इस घटना पर जब विवाद शुरू हुआ तो लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मामले को हल्के अंदाज में लेते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आज के समय में कुत्ता ही मुख्य चर्चा का विषय बन गया है। बेचारे कुत्ते ने क्या किया? क्या कुत्तों को यहां आने की इजाजत नहीं है?राहुल गांधी ने आगे इस बात पर भी जोर दिया कि शायद पालतू जानवरों को अंदर आने की इजाजत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आज भारत में इन्हीं सभी मुद्दों पर बातचीत हो रही है। बता दें कि ये पूरा मामला तब शुरू हुआ जब संसद में शीतकालीन सत्र के शुरूआत के पहले दिन कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी संसद परिसर में कुत्ता लेकर पहुंच गई। रेणुका चौधरी ने भी दी प्रतिक्रिया
राहुल गांधी के अलावा खुद रेणुका चौधरी ने भी इस पूरे मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। जब उनसे इस पूरे मामले में सवाल पूछा गया तब उन्होंने कहा कि संसद आते समय रास्ते में एक स्कूटर और कार की टक्कर देखी और वहीं सड़क पर एक पिल्ला भटकता हुआ मिला। उन्हें लगा कि वह दुर्घटना का शिकार हो सकता है, इसलिए उन्होंने उसे कार में बैठाया और संसद परिसर तक लाई। रेणुका चौधरी ने कहा कि मैंने उसे सुरक्षित घर भिजवा दिया। कुत्ता भी चला गया और कार भी। तो इस पर इतना बड़ा विवाद क्यों?केंद्र सरकार पर भी साधा निशाना- इस दौरान कांग्रेस सांसद चौधरी ने केंद्र सरकार पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि असली काटने वाले तो संसद में बैठे हैं, जो सरकार चलाते हैं। हम एक बेजुबान जानवर की मदद करते हैं तो यह बड़ा मुद्दा बन जाता है। रेणुका चौधरी ने कहा कि क्या सरकार के पास इससे जरूरी काम नहीं हैं? उन्होंने कहा कि कुत्ते को सिर्फ सुरक्षा के लिए उठाया गया था और उसे तुरंत घर भेज दिया गया। राहुल गांधी ने गुजरात सरकार पर साधा निशाना- कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को गुजरात में बढ़ रही ड्रग्स, अवैध शराब और अपराध की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार पर कड़ा हमला किया। उन्होंने दावा किया कि डबल इंजन सरकार होने के बावजूद गुजरात की हालत खराब होती जा रही है। राहुल गांधी इन दिनों गुजरात में कांग्रेस की 'जन आक्रोश यात्रा' में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान लोगों खासकर महिलाओं ने सबसे ज्यादा शिकायत ड्रग्स, अवैध शराब और बढ़ते अपराध को लेकर की है। राहुल ने कहा कि गांधी और सरदार पटेल की धरती पर जहां हमेशा सच, न्याय और नैतिकता का महत्व रहा, वहां आज युवाओं का भविष्य ड्रग्स और अपराध की ओर धकेला जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में महिलाएं सड़क पर इसलिए उतर रही हैं क्योंकि अपराधियों को सत्ता में बैठे लोग संरक्षण दे रहे हैं, जबकि आम जनता को अनदेखा किया जा रहा है।

राज्यसभा में एसआईआर पर चर्चा के लिए सरकार तैयार, रिजिजू बोले- ...लेकिन विपक्ष समयसीमा तय नहीं कर सकता

विपक्ष पर तंज कसते हुए रिजिजू ने कहा, आप चुनाव जीत नहीं पा रहे हैं, लोगों को आप पर विश्वास नहीं है और अपना गुस्सा संसद में निकाल रहे हैं। ये ठीक नहीं है। एसआईआर के मुद्दे पर संसद में हंगामा जारी है, इसके चलते बीते दो दिनों में सदन की कार्यवाही भी सुचारू रूप से नहीं चल सकी है। विपक्ष लगातार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा की मांग कर रहा है। अब सरकार ने कहा है कि वे एसआईआर पर चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन विपक्ष चर्चा की समयसीमा तय नहीं कर सकता। विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव दिए थे, लेकिन सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन प्रस्तावों को खारिज कर दिया।
खरगे ने की तुरंत चर्चा की मांग- मंगलवार को राज्यसभा में हंगामे के बीच नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा लोग मर रहे हैं, इसके बावजूद एसआईआर की प्रक्रिया तेजी से जारी है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए इस पर तुरंत चर्चा होनी चाहिए। खरगे ने कहा कि मैं चाहता हूं कि इस पर अभी चर्चा हो। यह नागरिकों, देश और लोकतंत्र के हित में है। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि वह इसे लेकर विपक्षी पार्टियों के नेताओं से चर्चा करेंगे, लेकिन इसके लिए विपक्ष समयसीमा तय नहीं कर सकता।रिजिजू का तंज- चुनाव में हार का गुस्सा संसद में निकाल रहा विपक्ष- रिजिजू ने कहा, संसदीय लोकतंत्र में हमें चर्चा करनी चाहिए। देश में कई अहम मुद्दे हैं, लेकिन आप एक मुद्दे के लिए बाकी को कमतर नहीं आंक सकते। सभी मुद्दे अहम हैं। हम भी चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन आपको पहले सलाह मशविरा तो करना चाहिए। आप तो समयसीमा तय कर रहे हैं और कह रहे हैं कि सरकार को अभी बताना चाहिए, ये ठीक नहीं है। विपक्ष पर तंज कसते हुए रिजिजू ने कहा, %आप चुनाव जीत नहीं पा रहे हैं, लोगों को आप पर विश्वास नहीं है और अपना गुस्सा संसद में निकाल रहे हैं। ये ठीक नहीं है।%लोकसभा स्पीकर ने बुलाई सर्वदलीय बैठक लोकसभा में हंगामे और लगातार हो रहे व्यवधान से बिफरे स्पीकर ओम बिरला ने भी गतिरोध दूर करने के लिए आज तीन बजे सांसदों की सर्वदलीय बैठक बुलाई है। वहीं राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस बात पर भी नाराजगी जाहिर की कि स्थगन प्रस्ताव देने वाले सांसदों के नाम भी नहीं पढ़े जा रहे हैं और प्रस्ताव को खारिज कर दिया जा रहा है। खरगे ने इसे गलत बताया। खरगे ने सभापति के विपक्ष की तरफ न देखने पर भी आपत्ति जताई। जिस पर सभापति ने कहा कि जब सदन ऑर्डर में ही नहीं है तो वे सभी की बात कैसे सुन सकते हैं।

खरगे हेराल्ड मामले में नई FIR पर भड़के, कहा- अदालत प्राथमिकी के पीछे छिपी राजनीति जरूर समझेगी

नेशनल हेराल्ड केस में दर्ज हुई नई प्राथमिकी को कांग्रेस ने बदले की कार्रवाई बताया है। दिल्ली में दर्ज नई प्राथमिकी पर सवाल खड़े करते हुए कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भरोसा जताया कि न्यायपालिका इस बदले की मंशा को जरूर समझेगी।क्या है नई प्राथमिकी के बाद उपजा विवाद- बता दें कि बीते हफ्ते दर्ज हुई इस प्राथमिकी को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी सरगर्मियां तेज हैं।

एफआईआर के पीछे सियासी

संपादकीय Editorial

Sukhu's Morning Meeting

Where would the footprints be on the carpet of the winter session? Those destinations belong to my river, they have no feet. Dharamshala, in its own radiant atmosphere, is witnessing, whether tomorrow morning comes or not. This must have been the nature of the architect, the late Virbhadra Singh, who gave power the Dhauladhar cloak. The stories of this journey are now being written in the style of Chief Ministers. Virbhadra Singh left, Dhumal left, Jairam left, and Sukhwinder Singh Sukhu is leaving. Your celebration will be written, but when you left, we read your destination. Over the past three days, the winter session has been marked by many ups and downs, and political styles clashing with the gently smiling winds. Sometimes groups headed towards Zorawar Stadium, sometimes towards the Assembly premises, and changing dialects. Sparkling expressions, welcoming gestures, and a barrage of questions. This is the "business" of the House and the concerns raised on the table, but an Assembly also finds its footing outside, directly in the hearts of the people. A touch hovers like a bumblebee, and the mere sound of those footsteps, far from the political din, brings dawn. Perhaps the mere sight of the Chief Minister of the state is what shifts the Shimla session to Dharamshala. This city is now getting used to it, experiencing the morning bliss. The form of power may be different, and the principles of the Assembly session will also be different, but when a Chief Minister strolls through the gardens of his work in the morning, the winds shift. On Thursday, when the Chief Minister mentioned last year to the same vegetable vendor girl in the court, business was energized. He becomes a companion to the younger generation's thoughts at the bus stop. On Friday, he sees the excitement of the sports city in the city, and the government moves with the children on the track. The sweat of countless athletes at the sports complex propels India to international victory, and while affirming this, three kabaddi players associate the Chief Minister with the moment of world champions. The state will request that the five Himachali girls who brought gold medals to India receive garlands of government awards and incentives. Clearly, when the Chief Minister goes out informally, the true Himachal is revealed. Hopefully, in the next few days, the Chief Minister's morning walk will awaken various departments. However, many dormant departments are awakening these days. The administration has awakened so much that stray animals have fled the city. The police have awakened so much that the cars that had become parking lots on the roads have suddenly disappeared. There are no traffic jams; VIPs travel in this city these days. Even if this is an illusion, for a few days, ordinary citizens are convinced that the system can be changed. As Chief Minister, Jai Ram Thakur once visited the bus stand at night, but it remains pitch-dark. The Chief Minister should take a trip there, as the entire chaotic bus stand, named after a Congress leader, hangs there. Numerous projects and blueprints hang there. Just take a walk on the Unity Mall map and the Convention Center land. A morning walk in the greenery of the Central University on the Jadrangal land near Tapovan will bring relief to thousands of people. It's a different matter that the opposition is also actively involved during the winter session. Pensioners have filled the Police Stadium with their grievances, while families of Himachalis with grievances gather in Tapovan every day. Perhaps even a walk on Mall Road won't yield such feedback, as Himachal, far from the capital, has still not woken up after centuries. Like the Chief Minister's visit to Himachal.

Modernity turns a blind eye to reality, the stability of live-in relationships is under question.

The Supreme Court has stated that a rape charge cannot be filed upon a relationship breakdown; it will only be valid if there is concrete evidence. The Court has issued strong comments regarding live-in relationships, stating that such relationships are contrary to Indian values ??and often lead to legal disputes. The younger generation considers live-in relationships to be modern, but later returns to the stability and security of marriage. The Court has expressed concern over a plot to destroy the institution of marriage. No rape charge upon a relationship breakdown - Live-in contrary to Indian values ??- a plot to destroy the institution of marriage. The Supreme Court's recent observation that "merely because a relationship ends or becomes unpleasant cannot later be converted into rape" has become a topic of discussion. Allegations of rape based on the false promise of marriage will only be admissible if they are supported by clear and concrete evidence. The breakdown of a consensual relationship between adults cannot be the basis for a criminal rape case against a man.' While dismissing the rape case against an Aurangabad lawyer, a bench of Justices B.V. Nagarathna and R. Mahadevan also said, 'Converting every broken relationship into a rape offense not only diminishes the gravity of the crime but also imposes an indelible stigma and grave injustice on the accused. Such misuse of the criminal justice system is a matter of grave concern.' This is not the first time the court has made such harsh comments on live-in couples. In June 2025, in the case of Shane Alam v. State of Uttar Pradesh, the Allahabad High Court stated that 'live-in relationships are contrary to the values ??of Indian middle-class society and often lead to legal disputes, which adversely affect women.' Currently, the Indian social and cultural system is going through a transitional period, where so-called feminist groups are trying to prove that a woman's true freedom lies in freedom from marriage. This is why the number of young women in India is increasing, rejecting marriage as a bondage and an outdated concept, and preferring live-in relationships as an alternative. Today's young Indian generation, considering themselves modern, ignores traditional norms and pats themselves on the back for considering live-in relationships a sign of independent thinking. However, after some time, they find themselves trapped in a vicious circle from which it is difficult to escape. In the case of Adnan v. State of Uttar Pradesh and others (2023), the court observed, "At first glance, live-in relationships appear very attractive..., but as time passes... such couples begin to realize that their relationship lacks social acceptance and cannot last a lifetime...." After extensive and in-depth research, anthropologist J.D. Unwin concluded that the primary reason behind the cultural decline of any society is the laxity of sexual traditions. According to Unwin, the highest culmination of culture, the most powerful combination, was "complete monogamy" with absolute purity and marriage. Cultures that maintained this union for at least three generations surpassed all others in every field, including literature, art, science, architecture, and agriculture. Certainly, for the younger generation, which considers individual freedom the ultimate criterion for development and self-fulfillment, questions of society, culture, and collective responsibility seem irrelevant and sometimes even oppressive. If live-in relationships are considered a safer, freer, and more modern option than marriage, it is worth considering why so many young men and women become embroiled in criminal charges, emotional disputes, and legal battles after such relationships break up. If this system truly protected their interests, the number of such cases in the courts would not be constantly increasing. The most paradoxical aspect of this is when young women, who consider live-in relationships a symbol of "empowerment" and "freedom," begin to expect marriage after a few years of cohabitation. Women, who, in the name of freedom, dismiss the institution of marriage as archaic or a hindrance, ultimately seek stability, security, and social acceptance in the very institution of marriage. This shows that while the allure of live-in relationships may initially seem modern and convenient, over time, social realities and emotional expectations push them back to the very framework they previously rejected as unnecessary constraints. In the case of Adnan vs. State of Uttar Pradesh and Three Others, the Allahabad High Court had sharply remarked that live-in relationships can never provide the security, social acceptance, progress, and stability that the institution of marriage provides. Live-in relationships will only be considered normal in this country after the institution of marriage becomes obsolete, just as protecting the institution of marriage has become a major challenge for many so-called developed countries. We are creating a major problem for ourselves in the future. There is a systematic plan in this country to destroy the institution of marriage, destabilize society, and hinder the country's progress. Some films and TV serials are destroying the institution of marriage. Infidelity to a partner within a married relationship and independent live-in relationships are being presented as signs of a progressive society. The younger generation is getting attracted towards such philosophy because they get its The long-term consequences are unknown. Jumping from one relationship to another is by no means a satisfying life. The concept of changing partners every season cannot be considered a hallmark of a stable and healthy society. The security and stability that the institution of marriage provides to a person's life is not possible through live-in relationships. Children born from such relationships face numerous problems. This observation by the court warns that if the younger generation continues to turn a blind eye to reality in the name of modernity, they will have to pay the price for this illusion in the form of massive social and personal crises in the future. Then there will be no turning back.

The government must also be vigilant against Maoist supporters and urban Naxalites hiding in cities.

The support for urban Naxalites was exposed when pro-Maoist slogans were raised during a protest against air pollution in Delhi. The activeness of security forces has created panic among the Maoists, and many Naxalites have surrendered. Home Minister Amit Shah has vowed to completely eradicate Maoism by March 2026. The government needs to be wary of urban Maoist supporters. It would be a fraud if a few so-called environmentalists protested against air pollution and then suddenly transformed their protest into an expression of sympathy for the Maoists. This is what happened in Delhi recently. Some people came out to protest against the increasing air pollution in Delhi, but then they came out in support of the notorious Maoist leader Hidma. They chanted "Long live Madvi Hidma!" When the police stopped them from chanting, they became violent, spraying pepper spray. The police detained more than 15 people. These Maoist supporters fit the definition of urban Naxalites. They were upset about Hidma's killing. It's clear that these urban Naxalites were deliberately unaware of Hidma's murderous activities. Hidma's killing has caused panic among Maoist cadres. Due to the vigilance of security forces, Maoists are surrendering in large numbers. In the past few days, 69 Naxalites active in Bastar district alone, carrying a bounty of 2.8 crore rupees, have surrendered. These include both men and women. Home Minister Amit Shah has repeatedly stated that Maoism will be eradicated from the country by March 2026. This has rattled Maoists hiding in the forests, as well as urban Naxalites associated with extremist leftist ideology. Maoism is such a toxic ideology that it has even received support from urban intellectuals. These urban Naxalites portray the dreaded Maoists as well-wishers of tribal society. Those tribals who do not support them are subjected to Maoist brutality. The Maoists have killed countless tribals, accusing them of being police informants. Despite this, leftist parties are not happy with the security forces' campaign against the Maoists. They are concerned that the government is committed to eliminating them. Recently, the security forces have achieved significant success in breaking the backbone of the Maoists, and it now appears that they will be truly wiped out by March 2026. This is because one after another, Maoist leaders are either being killed or forced to surrender. Recently, the security forces' anti-Maoist campaign in the Abujhmad forests of Chhattisgarh achieved a major success when 27 Maoists, including Basav Raju, who was carrying a bounty of 1.5 crore rupees, were killed. He was a notorious Maoist guerrilla fighter. He studied at the Regional Engineering College in Warangal but later became involved in the bloody game of violence and killing. It is worrying that despite being aware of the Maoists' bloody history, left-leaning intellectuals continue to feed them ideological food. Maoist violence has long posed a threat to internal security in many states across the country. Maoist violence was once considered the biggest threat to the country's internal security, but the Modi government's crackdown on it appears to have brought this bloodthirsty, violent insurgency under control. Although a tough policy was adopted to control the Maoists' toxic ideology during Manmohan Singh's tenure as Prime Minister, the National Advisory Council, controlled by Sonia Gandhi, opposed this harsh policy. The opposition grew so strong that the campaign had to be relaxed. This boosted the Maoists' morale, and they began to increase their strength. During that period, the Maoists' audacity had increased so much that even the security forces would have to surrender before negotiating with the government. There's no doubt that the Maoist network has weakened, but their strength remains. Most Maoists are tribal people. They are well-versed in hiding places and water sources in inaccessible forested areas. Along with the Maoists living in the forests, we must also be wary of the urban Naxalites who provide their ideological support, as they spread the illusion that the government wants to evict tribals by handing over their land to industrialists. The way so-called environmentalists in Delhi expressed sympathy for the Maoists on the pretext of pollution makes it clear that the government must be wary of these urban supporters of the Maoists, the urban Naxalites. The section of urban intellectuals who remain silent on Maoist violence, in a way, supports their bloody methods. Whenever such anti-national intellectuals are arrested, a group of intellectuals and lawyers rally behind them. This group also tries to influence the Supreme Court, making the government's task even more difficult. It cannot be ignored that the Salwa Judum campaign to fight the Maoists had to be discontinued after the Supreme Court objected. This ultimately benefited the Maoists.

छात्र ने शिक्षक पर किया हमला, कॉलेज गेट पर वारदात, सीसीटीवी में कैद हमलावर... पुलिस कर रही तलाश

मुरादाबाद डांट पड़ने से नाराज छात्र ने शिक्षक पर हमला कर दिया। घायल शिक्षक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस को तहरीर दी जा रही है।मुरादाबाद के जीजी हिंदू इंटर कॉलेज में मंगलवार सुबह एक छात्र ने गेट पर शिक्षक अरुण कुमार त्यागी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इसमें वह घायल हो गए।

घटना सुबह करीब 9ः24 बजे की है। शिक्षक जैसे ही विद्यालय के मुख्य गेट से अंदर प्रवेश कर रहे थे तभी कक्षा 10 का छात्र अचानक पीछे से आया और वार कर दिया।हमला करने के बाद छात्र बुध बाजार की ओर भाग निकला। कोतवाली पुलिस ने बताया कि छात्र को सोमवार को कक्षा में डांट पड़ी थी। इससे वह नाराज था। इसी रंजिश में उसने शिक्षक की कमर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया।

चीखपुकार सुनकर शिक्षक और स्टाफ मौके पर पहुंचे और घायल को तुरंत अस्पताल भिजवाया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस टीम कॉलेज पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। प्रधानाचार्य कुलदीप बरनवाल ने बताया कि शिक्षक पर गेट पर प्रवेश करते समय हमला किया गया है। पुलिस को तहरीर दी जा रही है। घायल शिक्षक 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं को पढ़ाते हैं। पुलिस आरोपी छात्र की तलाश में जुटी है। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है।

कल्कि महोत्सव: जगदगुरु रामभद्राचार्य बोले, भारत जल्द बनेगा हिंदू राष्ट्र

संभल के ऐंचोड़ा कंबोह में आयोजित कल्कि महोत्सव में श्री कल्कि कथा वाचन के लिए पहुंचे जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि बहुत जल्द भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा, इसके लिए संसद में 370 रामभक्तों की आवश्यकता है। उन्होंने जातीय आधार पर दिए जा रहे आरक्षण को समाप्त कर आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने का समर्थन किया। कल्कि धाम में पत्रकारों से बातचीत में जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने राममंदिर के ध्वजारोहण के मुहूर्त को पूर्णतः सही बताया और नरेंद्र मोदी के दोबारा सत्ता में आने की भविष्यवाणी की। धर्माचार्यों को संस्कृत का ज्ञान अनिवार्य बताया। संभल के भविष्य को लेकर दावा किया कि संभल में भगवान कल्कि का अवतार होना है। संभल का महत्व आने वाले समय में अयोध्या, मथुरा और चित्रकूट जैसा होगा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के मस्जिदों में मंदिर खोजे जाने के बयान पर उन्होंने कहा कि धर्माचार्यों की बातों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि हमारे एक करोड़ मंदिर तोड़े गए और जब तक वे वापस नहीं मिल जाते, हम विश्राम नहीं करेंगे। सनातन धर्म को एकजुट करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि बहुत जल्द सनातन समाज एकजुट होगा। आज देश सही राह पर आगे बढ़ रहा है। भारत देश हिंदू राष्ट्र बनने की राह पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि इसके लिए समाज को सहयोग देना होगा। पश्चिमी यूपी में जनसांख्यिकीय बदलाव और हिंदुओं के पलायन के सवाल पर रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि हालात सभी के सामने हैं। संभल में हम कितने प्रतिशत हैं, यह आप स्वयं जानते हैं। वाइफ वाली संस्कृति में महिलाओं का अपमान,हमारी संस्कृति में सम्मान

रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि मैं जगतगुरु भी ही हूं एक धर्माचार्य हूं। मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो ऋग्वेद से लेकर हनुमान चालीसा पर यंत्र सम्पूर्ण वांग्मय पर आधिकारिक वक्तव्य देने में समर्थ है।

वाइफ कहकर मैंने निंदा नहीं की थी केवल यह बताया था कि विदेशी संस्कृति में महिलाओं की निंदा है और हमारी संस्कृति महिलाओं का सम्मान है। विदेशी संस्कृति में कहीं बेबी है, कहीं बीवी है केवल भारतीय संस्कृति में महिला न बेबी है न बीबी है वह केवल देवी है तो मैं क्या अनुचित किया था। केवल मेरी प्रतिभा को धूमिल करने के लिए कतिपय भारत में अभी भी जयचंद के अंश अवतार मेरी निंदा करते हैं उन्हें करने दीजिए।

मैंने लाशों को उठाया..., अभिनेत्री दिशा पाटनी की बहन ने इंस्टा पर पोस्ट किया वीडियो; एक साथ पहुंचे छह शव

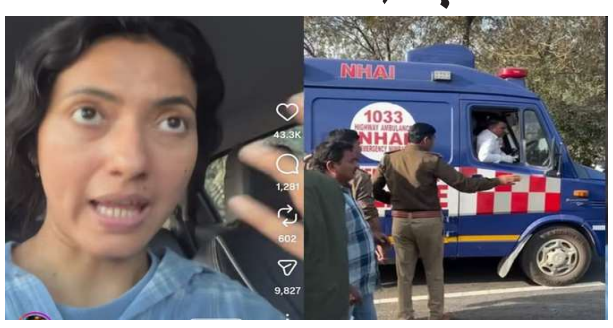

अभिनेत्री दिशा पाटनी की बहन मेजर खुशबू दिशा पाटनी ने इंस्टाग्राम पर दो मिनट 45 सेकेंड वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह दावा कर रही हैं कि हादसे के वक्त मुरादाबाद से गुजर रही थीं। हाईवे पर लाशें पड़ी थीं और घायल तड़प रहे थे। काफी देर तक एंबुलेंस नहीं आई तो उन्होंने लाशों को उठाया। अपनी गाड़ी व ऑटो से घायलों को अस्पताल भिजवाया।मुरादाबाद के कुंदरकी के अब्दुल्लापुर गांव में सोमवार की सुबह करीब साढ़े चार बजे जब एक साथ छह शव पहुंचे तो गमगीन घरों की सिसकियां चीख पुकार में बदल गईं। सन्नाटे में डूबी गलियों की खामोशी बच्चों, महिलाओं के विलाप से भर गई। कुछ देर बाद सुमन के शव को उसके परिजन उसकी ससुराल मधपुरी ले गए और अब्दुल्लापुर में दोपहर करीब एक बजे पांच अर्थियां एक साथ उठीं तो हर आंख नम हो गई। गांव के पास ही पांचों को अंतिम संस्कार किया गया। हादसे के बाद से ही अब्दुल्लापुर गांव गम में डूबा हुआ था। रविवार की रात भर लोग सो नहीं पाए थे। शवों के आने का इंतजार किया जा रहा था। वहीं, भीषण हादसे में जान गंवाने वाली सीमा, आरती, अभय, संजू, अनाया और सुमन के शव का सोमवार की सुबह चार बजे तक पोस्टमार्टम चला।इसके बाद सभी छह शवों को लेकर लोग गांव पहुंचे तो वहां पहले ही शोक संवेदना व्यक्त करने वाले बड़ी संख्या में एकत्र थे। वाहनों से एक एक शव को उतारा गया। इसके बाद घरों में ले गए तो महिलाएं बिलखने लगी। यहां पहुंचे लोगों की आंखें नम हो गईं। कुछ जिम्मेदार लोग अंतिम संस्कार की तैयारी में जुटे। दोपहर की एक बजे एक साथ तीन घरों से पांच अर्थियां उठीं तो हर किसी का मन बोझिल और आंख नम थी।गमगीन माहौल में रामगंगा नदी के किनारे स्थित शमशान घाट पर पांच शवों को अंतिम संस्कार किया गया है। इनमें से सीमा, आरती और संजू का दाह संस्कार किया गया जबकि जबकि अनाया और अभय को दफन किया गया है। सुमन का अंतिम संस्कार उसकी ससुराल मधपुरी गांव के श्मशान में किया गया।बेटी और पत्नी के अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हो पाए करन सिंह हादसे में बेटी और पत्नी को खोने वाले करन सिंह की हालत भी गंभीर बनी हुई है। उनका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। सोमवार को बेटी और पत्नी सीमा का अंतिम संस्कार किया गया लेकिन करन सिंह शामिल नहीं हो पाए।भीषण हादसे में घायल अंशु को अस्पताल से परिजन घर आ गए लेकिन वह सदमे से नहीं उभर पा रही है। घर में चीत्कार की आवाजें सुनकर बेसुध हो जाती है जिसको परिवार की दूसरी लड़कियां दिलासा देतीं नजर आ रही थीं।रफातपुर गांव शादी समारोह में जाने के लिए अब्दुल्लापुर से 26 लोग गए थे। रा भी ऑटो में सवार हो गया था लेकिन जगह नहीं मिलने पर वह उतर गया। इसके बाद अभिषेक अपने बड़े भाई रोहित के साथ बाइक से रफातपुर को गया था।सड़क हादसे में जान गंवाने वाली आरती की छोटी बहन रानी भी घायल हुई जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। बेटी आरती का शव देखकर उसके पिता मुरारी, मां कुंता देवी, भाई नरेश, सुरेश, सुनील, बहन पूजा, शिवानी और सचिन गमजदा नजर आए।

कहां चले गए पापा..., बेटियां पूछ रहीं मम्मी-दादी से झकझोर देने वाले ये सवाल; BLO सुसाइड केस में नया मोड़

मुरादाबाद जिला प्रशासन के रिकॉर्ड के अनुसार बूथ संख्या 406 पर पहले शिक्षक रिंकू को तैनात किया गया था। रिंकू ने पारिवारिक समस्या का हवाला दिया तो उन्हें हटाया गया। इस स्थान पर सर्वेश सिंह ने खुद बीएलओ बनने की लिखित इच्छा जताई थी। इसके बाद सर्वेश सिंह को बीएलओ बनाया गया था।आत्महत्या करने वाले बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) सर्वेश सिंह के घर में सोमवार को लोगों का आना जाना लगा रहा। उनके जाने के बाद बेटियों के सवाल मम्मी और दादी को झकझोर रहे हैं, वह बार बार पूछ रहीं हैं पापा कहां चले गए। कब घर आएंगे। तीसरे नंबर की बेटी ने किसी के मोबाइल में पिता को रोते हुए देख लिया (वायरल वीडियो में) तो चीखने लगी। उसे रोता देखकर घर के अन्य लोग भी फूट फूट कर रोने लगे। भोजपुर के बहेड़ी ब्रह्मनान निवासी सर्वेश सिंह भगतपुर टांडा ब्लॉक के जाहिदपुर सीकमपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय में सहायक अध्यापक थे। सात अक्तूबर को उन्हें बूथ नंबर 406 का बीएलओ बनाया गया था। एसआईआर का कार्य पूरा न होने से परेशान होकर उन्होंने फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली थी। रविवार तड़के चार बजे परिजनों ने उनका शव फंदे पर लटका देखा था। सोमवार को दिनभर बीच बीच में उनके घर अलग-अलग संगठन, अधिकारी और गांव के लोगों का आना जाना लगा रहा है लेकिन जाने के बाद तनिष्क, माही, नाइयू और रूही अपनी मां बबली और दादी सोमवती अपने पिता के बारे में सवाल कर रही हैं।

वह बार बार पूछ रही हैं कि पापा कहां चले गए। कब वापस आएंगे। माही और नाइयू ने पिता के बिना खाना खाने से इन्कार कर दिया। दादी और मम्मी ने बेटियों को समझाकर किसी तरह थोड़ा बहुत भोजन कराया।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो गांव में हर कोई देख देख रहा है। तीसरे नंबर की बेटी नाइयू ने सोमवार को किसी के मोबाइल में अपने पिता को देखा तो वह चीख चीखकर रोने लगी। किसी तरह मम्मी और दादी ने बच्ची को समझाकर शांत कराया है।

प्रशासन ने बीएलओ की पत्नी को दो लाख का चेक सौंपा-बीएलओ सर्वेश सिंह की पत्नी को ठाकुरद्वारा की एसडीएम ने घर जाकर दो लाख रुपये का चेक प्रदान किया। उन्होंने बताया कि मृतक आश्रित कोटे में नौकरी के लिए भी जिला स्तर पर प्रयास चल रहा है।डीएम अनुज सिंह के निर्देश पर ठाकुरद्वारा की एसडीएम प्रीति सिंह सोमवार को बीएलओ सर्वेश सिंह के घर पहुंचीं।

उन्होंने बीएलओ की पत्नी बबली सिंह को दो लाख रुपये का चेक सौंपा। उन्होंने बताया कि मृतक आश्रित कोटे में नौकरी के लिए कागजात शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भेजना होगा।डीएम ने बताया कि बीएलओ की पत्नी का कागजात मंगाया गया है। इस मामले में नौकरी दिलाने के लिए विभागीय कार्रवाई शीघ्र शुरू की जाएगी। जिला प्रशासन स्तर से बीएलओ के परिवार को मदद दी जाएगी।

सर्वेश सिंह ने बीएलओ बनने की खुद जताई थी इच्छा - मुरादाबाद जिला प्रशासन के रिकॉर्ड के अनुसार बूथ संख्या 406 पर पहले शिक्षक रिंकू को तैनात किया गया था। रिंकू ने पारिवारिक समस्या का हवाला दिया तो उन्हें हटाया गया। इस स्थान पर सर्वेश सिंह ने खुद फूट-फूटकर रोए छात्र-सोमवार को विद्यार्थी विद्यालय पहुंचे तब उन्हें अपने गुरु सर्वेश सिंह की मृत्यु की जानकारी हुई। इसके बाद तो बच्चे उन्हें याद कर फूट फूट कर रोने लगे। शिक्षक और शिक्षिकाओं की आंखों में भी आंसू छलक आए।भोजपुर क्षेत्र के बहेड़ी ब्रह्मनान निवासी कंपोजिट विद्यालय जाहिदपुर सीकमपुर में सहायक अध्यापक थे। रविवार को अवकाश होने के कारण अधिकांश विद्यार्थियों को पता ही नहीं चला था कि उनके उनके गुरु सर्वेश सिंह की मृत्यु हो चुकी है।

सोमवार को विद्यालय खुलने पर अन्य अध्यापकों ने बच्चों को जानकारी दी तो कई बच्चे फूट फूट कर रोने लगे। इस दौरान प्रधानाध्यापक मो. तकी, स्वाति वर्मा, प्रणव नारायण पाठक, नीतू पांडे, रिंकल चौधरी, रोमित सिंह और मो. नईम ने भी शोक जताया और बच्चों को शांत कराया।

संक्षिप्त समाचार

छह माह से जारी नहीं हुए जन्म व मृत्यु प्रमाणपत्र, आवेदक परेशान

मुरादाबाद । देहात क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों को पिछले छह महीनों से जन्म व मृत्यु प्रमाणपत्र न मिलने के कारण परेशानी झेलनी पड़ रही हैं। विकास भवन में पंचायत राज विभाग कार्यालय के चक्कर काटने के बावजूद प्रमाणपत्र जारी नहीं हो पा रहे हैं। मृतकों के आश्रितों को कोई संतोषजनक जवाब न देकर उन्हें पंचायत सचिवों की ओर से भरे गए आवेदन में गलती बताकर या कभी साइट न चलने का बहाना बना कर टरका दिया जाता है। सोमवार को काजीपुरा के रहने वाले असगर ने बताया कि वह सास, ससुर और बहन के ससुर का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए कई बार आ चुका है लेकिन कभी साइट बंद तो कभी कनेक्टिविटी फेल होने की बात कह कर उसे वापस भेज दिया। उसने बताया कि वह शनिवार को आया तो जन्म व मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने वाले अधिकारी छुट्टी पर बताए गए। असगर के अनुसार वह कई बार विकास भवन के चक्कर काट चुका है लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। वहीं छजलैट के राम प्रकाश कश्यप ने बताया कि उसने तीन बार पंचायत सचिव से गलत डिटेल को सही करने के लिए कहा तब जाकर सही डिटेल फीड की गई इसमें चार महीने निकल गए।अब विकास भवन में तीन चार बार से मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए चक्कर काट रहे हैं, ऐसे में पटल देख रहे कर्मचारी कभी सर्वर न चलने तो कभी आईडी एक्टिव न होने का हवाला देकर टरका देते हैं। खास बात यह की यह सक बुछ जिला पंचायत राज अधिकारी के कोड से जारी होता है इसके बाद भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे अधिक दिक्कत उन परिवारों को हो रही है, जिन्हें सरकारी योजनाओं, इलाज, स्कूल प्रवेश, पेंशन, बीमा क्लेम या अन्य जरूरी प्रक्रियाओं के लिए प्रमाणपत्र की तत्काल जरूरत होती है।जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार शर्मा ने बताया कि साइट नहीं चलती तो कभी सर्वर परेशान कर रहा है। इस वक्त नेटवर्क संबंधित परेशानी बढ़ी है। प्रमाण पत्र जारी करने में फीड की जा रही डिटेल में हर बार ओटीपी मांगी जाती है जिसकी वजह से कई बार फीड की गई डिटेल को दोबारा

गृह क्लेश से परेशान किशोरी ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर दी जान

गृह क्लेश के चलते किशोरी ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। किशोरी की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। चिकित्सक ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।कोतवाली के एक गांव निवासी किशोरी का घर में किसी बात को लेकर सोमवार सुबह को परिजनों से विवाद हो गया था। विवाद के बाद वह मानसिक रूप से आहत हो गई। उसने आवेश में आकर जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ने लगी। जिस पर परिजन घबरा गए। परिजन आनन-फानन में किशोरी को लेकर सीएचसी पहुंचे। चिकित्सकों ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। परिजनों ने पुलिस को कोई भी कार्रवाई न करने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों ने मृतका के शव को घर ले गए।अंतिम संस्कार कर दिया। घटना से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। गांव में शोक का माहौल है।

एक दिन पहले ही बरात लेकर निकला दूल्हा, रास्ते से पता चली सही तारीख, दुल्हन पक्ष के लोग अवाक

संभल में दूल्हा एक दिन पहले ही निकाह करने के लिए बरात लेकर चल पड़ा। रास्ते में पता चलने पर सभी लौट आए। बरात आने की सूचना पर दुल्हन पक्ष के हक्के बक्के रह गए। शादी की निर्धारित तारीख से एक दिन पहले ही बरात लेकर दूल्हा के साथ बरातियों का काफिला दुल्हन के घर की ओर निकल पड़ा, लेकिन रास्ते में ही पता लगा कि शादी तो अगले दिन है। ऐसे में बरात रास्ते ही वापस लौट गई।अगले दिन यानी कि रविवार को शादी की सभी रस्में अदा कर दुल्हन को विदा कराकर बरातियों संग दूल्हा अपने घर लौटा। यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। दरअसल, शादी की तय तारीख को लेकर हुई गलतफहमी ने पूरा मामला उलझा दिया।हुआ यह कि मोहल्ला मासूम अली निवासी नजाकत के बेटे मुनाजिर की शादी के लिए 30 नवंबर की तारीख तय थी। लड़की पक्ष की ओर से 29 और 30 नवंबर को लेकर स्पष्ट जानकारी न मिलने से दूल्हा पक्ष 29 नवंबर शनिवार को ही बस और अन्य गाड़ियों में पूरे इंतज़ाम के साथ बरात लेकर निकल पड़ा। नगर से बाहर कुछ दूरी पर जाने के बाद बरातियों को जानकारी मिली कि शादी की वास्तविक तारीख 30 नवंबर है। इस पर सभी बराती हतप्रभ रह गए और सज-धज कर निकली बरात वहीं से वापस घर आई।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिलाधिकारी ने बीएलओ द्वारा किए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्यों का किया निरीक्षण

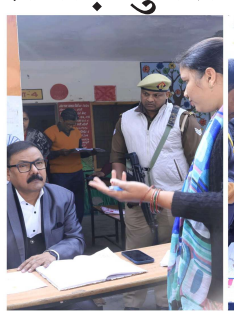

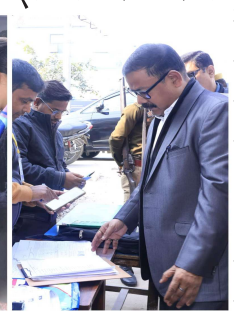

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने आज 124-बरेली शहर विधानसभा के बूथों के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय बालजती प्रथम नगर, जीके सिटी मोंटेसरी स्कूल एवं सीबी गंज इण्टर कॉलेज में बी0एल0ओ0 द्वारा किए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (Special Intensive Revision-SIR) के कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बी0एल0ओ0 द्वारा निर्वाचक नामावली के शत-प्रतिशत सत्यापन, त्रुटि सुधार एवं डिजिटलीकरण से संबंधित प्रगति का विस्तृत अवलोकन किया और कार्य की गुणवत्ता, पारदर्शिता तथा समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु बी0एल0ओ0 को आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रदान किए।

निरीक्षण के समय निर्देश दिए गए कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे जाएं, उसका व्यापक कारण रजिस्टर में दर्ज किया जाए जैसे-मृत्यु हो गयी है अथवा लोग अन्यत्र शिफ्ट हो गए हैं आदि।

निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए गए कि पार्षद/कोटेदार/सिविल डिफेंस आदि के लोगों से सहयोग लेकर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्य किया जाए, जिससे अधिक समस्या ना हो।

निर्देश दिए गए कि अनुपस्थित वोटर के यहां बीएलओ कम से कम तीन बार अवश्य जाएं यदि एक बार घर गया और कोई नहीं मिला तो दोबारा जाकर फार्म देना है अन्यथा तीसरी बार भी जाना है तब भी यदि कोई नहीं मिलता है तो घर पर चस्पा कर आस-पास के लोगों को बुलाकर अवगत कराएं और उसकी फोटो/वीडियो भी करा लें और सुरक्षित रखें।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कटरा चांद खां में स्थित बालजती विद्यालय में आयोजित विशेष मतदाता कैम्प में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्य को देखते हुए ईएआरओ व बीएलओ की प्रशंसा की और निर्देश दिये कि आमजन को इस अभियान के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि अधिक से अधिक नागरिक पुनरीक्षण कार्य हेतु आगे आ सकें।

निरीक्षण के समय बीएलओ सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महा द्वादशी के पावन दिन श्री हरि मंदिर मॉडल टाऊन में मंगलवार को भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । बरेली के श्री हरि मंदिर में मंदिर के पंडित सुनील शास्त्री के द्वारा श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन व श्रृंगार किया गया। भक्तजनों द्वारा मंगलवार को अपनी अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु पधारते है और श्री हनुमान जी की पूजा करते है । शाम के सत्र में श्री हरि संकीर्तन श्री हरि संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों की रसधारा बहाई गई जिस मे रवि छाबड़ा ने है दु:ख भंजन मारुति नंदन.....,संजय आनन्द ने मंगल मूर्ति राम दुलारे.....,पंकज नेआज मंगलवार है .....,सचिन सेठी ने कीजे केसरी के लाल .....और भाई सौरभ ने राम भी मिलेगे तुझे श्याम भी मिलेगे.....जतिन दुआ ने झूम झूम नाचे देखो भक्त हनुमान .....आदि आदि भजनों से सारा श्री हरि मंदिर प्रांगण भक्तिमय हो गया।

उसके बाद सभी उपस्थित भक्तजनों द्वारा सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और श्री हनुमान जी की सामूहिक आरती हुई, व शयन आरती के पाश्चात्य सभी भक्तजनों में भंडारा प्रसादी का वितरण हुआ। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि सामूहिक श्री हनुमान चालीसा व आरती विगत कई वर्षों से श्री हरि मंदिर प्रांगण में हो रही है,जिस में सभी आयु वर्ग में लोग सम्मिलित होते है, विशेष कर युवाओं का जागरूक होना विशेष है। आज के कार्यकम में मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोरा,सचिव रवि छाबड़ा, अश्विनी ओबेरॉय,संजय आनन्द,गोविंद तनेजा,रंजन कुमार,अतुल कपूर,अनुराग शर्मा,हरीश लुनियाल, राजेश अरोरा,गिरीश आनन्द,वा अन्य सदस्य उपस्थित रहे। महिला मंडल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा भी अपनी टीम के साथ शामिल रही। युवा मंडल के सदस्यों ने प्रसाद वितरण की सेवा की। समापन पर मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने सभी भक्तजनों का आभार व्यक्त किया और सभी भक्तजनों को भंडारा प्रसाद वितरण किया गया। महा द्वादशी पर्व पर सुबह के सत्र में भी खिचड़ी का प्रसाद सभी भक्तों को वितरित किया गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

इंस्पेक्टर पर गिरी करप्शन की गाज, 5 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। भ्रष्टाचार पर सख्ती की मुहिम के तहत एंटी करप्शन की ट्रैप टीम ने मंगलवार दोपहर एंटी पावर प्रभारी निरीक्षक को उनके रुपये की रिश्वत कर लिया। परिसर में हड़कंप

थैफ्ट थाना बरेली के अरुण कुमार यादव कार्यालय से 5 हजार लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कार्रवाई के दौरान पूरे मच गया। ग्राम आलमपुर जाफराबाद निवासी सुभाष शर्मा ने एंटी करप्शन से शिकायत की थी कि इंस्पेक्टर उनके और उनके पिता की जमानत कराने के नाम पर 5 हजार रुपये की मांग कर रहे हैं। शिकायत सत्य पाए जाने पर ट्रैप की तैयारी शुरू की गई। जीरो टॉलरेंस निर्देशों के तहत बरेली मंडल की टीम को तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए गए। सोमवार दोपहर निरीक्षक जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम थाना पहुंची। तय रणनीति के मुताबिक पीड़ित ने जैसे ही आरोपी इंस्पेक्टर को रकम दी, टीम ने तुरंत निरीक्षक कक्ष में दबिश दी और अरुण कुमार यादव को नोटों के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया। मौके पर ही बरामद रकम, नोटों की गिनती और अन्य साक्ष्य सुरक्षित किए गए। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को हिरासत में लेकर कोतवाली बरेली में मुकदमा दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। इस दौरान थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों और कर्मचारियों में खलबली मच गई। एंटी करप्शन टीम ने स्पष्ट किया कि किसी भी सरकारी अधिकारी द्वारा रिश्वत मांगने या अवैध सुविधा शुल्क वसूलने की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आम लोगों से अपील की गई कि वे ऐसी किसी भी घटना की जानकारी बिना हिचकिचाहट संगठन को दें, ताकि दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जा सके।

एसआईआर (SIR) का काम कर रहे शिक्षक की ब्रेन हेमरेज से मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली में एसआईआर के कार्य में क अ ज य रात ब्रेन हेमरेज गणना प्रपत्र आईटीआई केंद्र

लगे एमबी इंटर कालेज व्यवसायिक शिक्षक अग्रवाल का सोमवार से निधन हो गया। वह फीडिंग के लिए पर तैनात थे। परिजनों ने आरोप लगाया कि कल रात उनकी तबियत अचानक से खराब हो गई। वो यह बड़बड़ाने लगे कि उनसे फार्म नहीं भरे जाएंगे। परिजन उनको अस्पताल ले गए। वहां उनको मृत घोषित किया गया। परिजनों का कहना है कि जब तक कोई प्रशासनिक अधिकारी नहीं आता है तब तक उनका अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। सूचना पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सिटी मजिस्ट्रेट को सूचना देकर घर पर जाने को कहा।

पुलिस की मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार, मौके दो फरार असलहे अन्य समान बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन) एसओजी सर्बिलांश सेल और पुलिस की संयुक्त कार्यवाही के मुठभेड़ दौरान दो बदमाश पकड़े गए जिन्हें पुलिस पकड़ लिया है मिली जान कारी में घटना कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दिरावटी भेंड़ संपर्क मार्ग पर

चेकिंग के दौरान हुई जिले की एसओजी ओर सर्विलांस टीम एवं कोंच कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बिहार से चार टप्पेबाज दो मोटर साइकिलों पर सवार होकर जिले में वारदात की फिराक में घूम रहे हैं। पुलिस ने घेरा बंदी की तो बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी जवाबी कार्यवाही में दो बदमाश घायल होकर पकडे गये है और दो मौके से फरार हो गये है मौके पर पुलिस ने दो अवैध असलहे, जिंदा व खोखा कारतूस सोने चांदी के आभूषण ओर नगदी व जेवरात साफ करने के उपकरण व केमिकल से भरे दो पिट्ठू बैग एक पल्सर मोटर साइकिल बरामद की है पुलिस के अनुसार यह सामान टप्पे बाजी और छिनैती की हालिया घटना ओं से संबंधित प्रतीत होता है गिरफ्तार घायल अभियुक्त धर्मेन्द्र कुमार पुत्र राजाराम शाह उम्र लगभग 26 वर्ष निवासी ग्राम बऊआरा थाना बखरी जिला बेगूसराय बिहार राज्य और मोती लाल पुत्र रामदेव शाह, उम्र लगभग 28 वर्ष, निवासी ग्राम बऊआरा, थाना बखरी, जिला बेगूसराय बिहार राज्य है दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस फरार अपराधियों के बारे में सुराग जुटा रही है। अधिकारियों का कहना है कि गिरोह लंबे समय से विभिन्न राज्यों में सक्रिय है और इनसे जिले की कई वार दातों के खुलासे की उम्मीद है। दोनों से पूंछ ताँछ की जावेगी

ऐवान-ए-फरहत बरातघर पर गरजे बुलडोजर, भारी पुलिस फोर्स तैनात

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सूफी टोला स्थित ऐवान-ए-फरहत बरातघर को गिराने के लिए बीडीए ने मंगलवार दोपहर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। बरातघर को गिराने के लिए दो बुलडोजर लगाए गए हैं। बीडीए के अफसर और भारी पुलिस बल मौके पर तैनात है। इससे पहले यहां रहने वाले परिवारों ने कार्रवाई का विरोध किया। महिलाओं ने रोते हुए रहम की गुहार लगाई, लेकिन बीडीए की टीम ने बरातघर को अवैध निर्माण बताते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। बीडीए के दो बुलडोजर सरफराज वली खान और राशिद खां के बरातघरों को ध्वस्त करने के लिए दोपहर दो बजे यहां पहुंचे। हालांकि कर्मचारी सुबह 9:00 बजे यहां आ गए थे लेकिन प्रशासन की व्यवस्था में करीब पांच घंटे लगे और दोपहर 2:00 बजे कार्रवाई शुरू करने के लिए काफी पुलिस कोर्स के साथ बीडीए के अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस दौरान छत पर मौजूद महिलाओं का काफी विरोध देखने को मिला। महिलाएं चीख रही थी, वह सरफराज वली खां और राशिद खां के दोनों बरातघरों को न गिरने के लिए रहम की भीख मांग रही थी। विरोध के बीच दोपहर 2:45 बजे बीडीए के बुलडोजर गरजने लगे। मानक के विपरीत बने हैं बरातघर - सूफी टोला में संकरे रास्ते के एक छोर पर बना ऐवान-ए-फरहत बरातघर सरफराज वली खां का है, जो अरसे से सपा से जुड़े हैं। वह सपा के कद्दावर नेता आजम खां के बेहद करीबी हैं। ऐवान-ए-फरहत से सटा गुड मैरिज बरातघर राशिद खां का है। राशिद कारोबारी हैं और बरेली बवाल के आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबी बताए जा रहे हैं। बीडीए के मुताबिक दोनों ही बरातघर मानक के विपरीत बने हैं।

आठ साल के बच्चे की हत्या

पुल के नीचे लाल बक्से में मिला मासूम का शव, पुलिस जांच में जुटी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । इज्जतनगर थाना क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर नकटिया नदी पुल के नीचे लाल रंग के बक्से में आठ साल के बच्चे का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मंगलवार सुबह नदी किनारे रखा बक्सा देख कौतुहलवश लोगों ने खोला तो उनके होश उड़ गए। शव मिलने की सूचना पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इज्जतनगर थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। पुलिस के मुताबिक बच्चे का शव रक्तरंजित हालत में बक्से के अंदर मिला। शव देखकर ही लग रहा था कि किसी ने बच्चे की हत्या कर शव फेंका है। चूंकि बक्सा लाल रंग का है तो तंत्र-मंत्र की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। मृतक बच्चे की अभी पहचा नहीं हो पाई है। थाना प्रभारी ने बताया कि हत्या कहीं और करके शव इस इलाके में फेंका गया है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज दिखवाई जाएगी। जल्दी ही हकीकत पता कर ली जाएगी। फरीदपुर-सड़क किनारे झाड़ियों में मिला महिला का शव फरीदपुर क्षेत्र में सोमवार को सड़क के किनारे झाड़ियों में महिला का शव सड़ी गली अवस्था में मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका की शिनाख्त नहीं हुई है। आशंका है कि महिला की हत्या के बाद शव झाड़ियों में फेंका गया है। लिस के अनुसार, फरीदपुर थाना क्षेत्र के बुखारा रोड पर सिमरा बोरीपुर गांव के पास सड़क के किनारे झाड़ियों में अज्ञात महिला का शव मिला है। मृतका की उम्र लगभग 40 वर्ष है। महिला की शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। ग्रामीणों में चर्चा है कि महिला की हत्या कर किसी ने यहां लाकर शव फेंका है। पुलिस आसपास के थानों से जानकारी जुटा रही है।

भारतीय किसान यूनियन (चौधरी) ने विभिन्न मांगो को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / भारतीय किसान यूनियन (चौधरी) ने किसान व मजदूरी की समस्या का कोई भी निस्तारण न होनों के तथा गन्ना का भुगतान सही समय पर न होने के एवं बरेली के आंवला सरकारी अस्पताल में गरीबों को दवाई दिलाने गये प्रदेश महामंत्री पर चिकित्सकों द्वारा फर्जी कार्यवाही के संबंध में एसडीएम अमरिया को ज्ञापन? सौंपा। उपजिलाधिकारी अमरिया को दिये गये ज्ञापन में कहा गया की समस्याओं पर कोई भी अग्रिम कामबाही जैसे किसान सम्बन्धी धन का भुगतान सही समय पर किया जाये। तहसील परिसर अमरिया मे लोगों के खेतों के अंश खराब कर दिये है। उनको समय पर सही काराम जाये। किसानों के धान का पंजीकरण सही टाइम पर सत्यापित नही किये जा रहे। है। जल्द ही सत्यापित कराये जाये। बरेली से लेकर ट्रेन लाइन की ब्यबस्था करायी जाये ताकि समस्त लोगो की समस्या का समाधान हो सके। फरदिया चौराहे से लेकर पिंजरा व नगरिया कालोनी होते हुये भिखारीपुर से पीलीभीत को जा रहा रास्ता पूर्ण रुप से देवाहा पुल की बजह से खराब है। उसकी व्यबस्था की जाये। जिला बरेली क्षेत्र के कस्बा ऑवला में गरीबों को दवाई दिलाने गये प्रदेश महामंत्री पर सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा फर्जी कार्यवाही की गई है। जिसमें सरकारी हॉस्पिटल के द्वारा अकबर अली के खिलाफ दिये गये प्रार्थना पत्र को वापिस लिया जाये या फिर भारतीय किसान यूनियन (चौधरी) के पदाधिकारी, प्रदेश महामंत्री अकबर अली द्वारा अभ्रदता करने का कोई सी.सी.टी.वी. फुटेज या कोई अन्य ठोस सबूत दिया जाये। स्पष्ट जांच कराकर दोषियों पर कार्यवाही की जाये।

विभाग की ओटीएस योजना के लाभ देने के लिये विभाग विभाग तैयार

इस योजना का समय से लाभ उठाए एसडीओ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन) प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के निर्देशन में उपभोक्ताओं के हित में बिजली बिल राहत योजना चलाई है इस योजना के प्रचार हेतु एसडीओ कोंच के नेतृत्व में टीम नगर में निकली इस टीम के प्रभारी एसडीओ कोंच रविन्द्र कुमार ने बताया है

कि सरकार ने उपभोक्ता के हित में यह योजना चलाई है इस योजना में घरेलू और दुकान दार भी खासकर लाभ ले सकते है यह योजना एक दिसंबर से लागू हो गई है जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी इस योजना में पहली बार सो प्रतिशत ब्याज माफी के साथ मूल धन पर भारी छूट मिल रही है इस योजना में घरेलू दो किलो वाट और दुकानदार एक किलो वाट वाले उपभोक्ता योजना के पात्रता में शामिल होंगे इस अवसर पर जेई अंकित साहनी जेई अमन पांडेय मीटर रीडर अनूप गुर्जर पिंकेश शुक्ला मनीष शुक्ला नरेंद्र पटेल अविनाश शांडिल्य धीरज कन्हैया शनि रिंकू अरविंद्र प्रदीप दिलीप सहित तमाम विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे

पीलीभीत:अमरिया तहसील के फरदिया मंदिर के पास हरिद्वार-बरेली NH पर ट्रैक्टर-डंपर की जोरदार टक्कर - चालक गंभीर घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / ट्रैक्टर तहस-नहस, डंपर खाई में पलटा; सुबह 5:30 बजे की घटना, जिला अस्पताल में इलाज। पीलीभीत, अमरिया ले रहा - तहसील अमरिया क्षेत्र के ग्राम फरदिया पर आज सुबह करीब 5:30 बजे एक ट्रैक्टर और डंपर जोरदार थी कि ट्रैक्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, पलट गया। ट्रैक्टर चालक को गंभीर चोटें आईं, जिसे पीलीभीत पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया।

में हादसे का सिलसिला थमने का नाम नहीं मंदिर के निकट हरिद्वार-बरेली नेशनल हाईवे के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबकि डंपर सड़क से फिसलकर खाई में तुरंत स्थानीय लोगों ने जिला अस्पताल

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम एवं मिलेट्स मेले का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद

जायसवाल / श्रावास्ती विश्व एड्स दिवस के अवसर पर 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा जागरूकता एवं सहभागिता को बढ़ावा देने हेतु दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम संदीक्षा सदस्यों के लिए साइबर फ्रॉड विषय पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें डिजिटल सुरक्षा, ऑनलाइन ठगी की रोकथाम, सुरक्षित बैंकिंग एवं सोशल मीडिया उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यशाला का उद्देश्य संदीक्षा सदस्यों को आधुनिक साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक बनाना रहा।

एड्स जागरूकता के संदर्भ में, विश्व एड्स दिवस की थीम एवं महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान एचआईवी/एड्स के प्रसार, रोकथाम, सुरक्षित व्यवहार, मिथकों एवं उपलब्ध उपचारों से संबंधित संक्षिप्त जानकारी दी गई तथा सभी जवानों को जानकारी, जागरूकता एवं संवेदनशीलता को बढ़ाने का संदेश दिया गया। अमरेंद्र कुमार वरुण कमांडेंट 62वीं वाहिनी के निर्देशन एवं नेतृत्व में मुख्यालय के शिवाजी मैदान में मिलेट्स(श्री अन्न) मेले का भव्य आयोजन किया गया।

मेले का शुभारंभ कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण, संदीक्षा अध्यक्षा, संदिक्षा सदस्यों एवं अन्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात संदीक्षा अध्यक्षा एवं कमांडेंट वरुण द्वारा फूड स्टॉल का भ्रमण कर श्री अन्न से बनाएं गए स्वादिष्ट व्यंजनों, के फायदे के विषय में जानकारी दी, और कहा कि मोटा अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, रागी का अपने खाने में प्रयोग करना चाहिए इनमें प्रचूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं।

इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी ललेंद्र रत्नाकर, उप कमांडेंट सोनू कुमार, सहायक कमांडेंट अमित शर्मा, अधीनस्थ अधिकारी, संदीक्षा सदस्य एवं बड़ी संख्या में जवान उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई।

श्रावस्ती में फर्जी बैनामा, जमीन हड़पने का आरोप।

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जिले के मल्हीपुर थाना क्षेत्र के गुड़दौरिया दाखिला असशहरिया गांव में लालजी पुत्र पल्टू की निजी जमीन का फर्जी बैनामा कराने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गोकुल पुत्र श्रीराम, चेतराम पुत्र माधवराम और कप्तान पुत्र श्रीराम ने साजिश रचकर एक फर्जी व्यक्ति को खड़ा कर और उसकी फोटो लगाकर जमीन का बैनामा करवा लिया। पीड़ित लालजी ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

लालजी के अनुसार, गाटा संख्या 351 (लगभग 0.048 हेक्टेयर) भूमि मौजा अनहरिया, तहसील भिनगा, जनपद श्रावस्ती के पूर्व खातेदार रामलाल और पल्टू पुत्र रामसुख थे। रामलाल के निधन के बाद विपक्षी पत्नी रत्ता ने लेखपाल से मिलीभगत कर वरासत दर्ज करवा ली। इसी प्रकार, पल्टू के निधन के बाद रत्ता ने हल्का लेखपाल से मिलकर केवल बऊर के नाम वरासत दर्ज करवा दी, जबकि पल्टू के चार पुत्र (लाली, लालजी, बऊर, कृपाराम) और उनकी पत्नी बैधी के नाम वरासत होनी चाहिए थी।

इसके बाद, विपक्षी संख्या 1 से 4 तक ने मिलकर कूटरचना की और प्रार्थी के हिस्से की भूमि हड़पने की नीयत से फर्जी तरीके से किसी अन्य व्यक्ति को खड़ा कर और उसकी फोटो लगाकर सब रजिस्ट्रार कार्यालय भिनगा में गाटा संख्या 351 का बैनामा विक्रय कर दिया। इस जमीन के लिए 40 लाख रुपये लिए गए।

प्रार्थी का आरोप है कि यह साजिश और षड्यंत्र छल-कपट पूर्वक केवल बऊर के नाम वरासत करवाकर किया गया, जो एक आपराधिक कृत्य है। लालजी ने पुलिस अधीक्षक से इस फर्जी वरासत को निरस्त करने, विपक्षीगण के खिलाफ कार्रवाई करने और पल्टू के चारों बच्चों के नाम जमीन दर्ज कराने की मांग की है।

यह भी बताया गया है कि पल्टू के तीन लड़के नेपाल राज्य के जिला बैंक नैनपुर गांव पालिका में रहते हैं, जबकि बऊर पासी, कृपा पासी और बैधी तीनों मूक-बधिर हैं। बिना किसी प्रमाण पत्र या अनुमति के दूसरे व्यक्ति को खड़ा करके यह बैनामा रजिस्ट्री करा लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

डामर उखड़ी, गड्ढों में तब्दील हुई सड़क, लोग परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच/अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई सड़क मरम्मत के अभाव में गड्ढों में बदल चुकी है। राहगीर तथा वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग लोगों की समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा। जमुनहा विकास क्षेत्र के भवनियापुर कुट्टी से लालबोझा को जाने वाली सड़क की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। एक दशक पहले लोक निर्माण विभाग की ओर से पीएम ग्रामीण सड़क योजना से बनाई गई इस सड़क की डामर उखड़ गई है। जगह जगह सड़क गड्ढों में बदल चुकी है। साथ ही गिट्टियां सड़क पर बिखरी हुई हैं। इससे आए दिन बाइक व साइकिल सवार गड्ढों में फंसकर तो गिट्टियों पर फिसलकर गिरते हैं और जख्मी हो जाते हैं। प्रतिदिन सैकड़ों लोग इसी मार्ग से आवागमन करते हैं। सड़क पर राहगीरों को आवागमन में हो रही मुश्किलें के चलते लोगों को राह चलना मुश्किल रहता है। वाहन तो छोड़ो सड़क पर पैदल चलने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना कि जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। न तो जन प्रतिनिधि और न ही अधिकारी समस्या पर ध्यान दे रहे हैं। दिन में तो लोग किसी तरह सड़क पर सफर कर लेते हैं। लेकिन रात में इस बदहाल सड़क पर लोगों का सफर मुश्किलों से भरा रहता है। लोगों ने जिलाधिकारी से सड़क की मरम्मत कराए जाने की मांग की है।

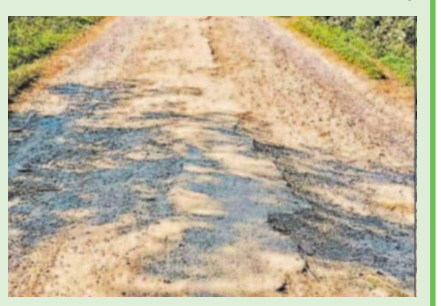

जनपद पंचायत पोहरी में 'एक बगिया मां के नाम' योजना के तहत हितग्राहियों को दी गई तकनीकी प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी, ब्यूरो। जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एन.एस.नरवरिया की अध्यक्षता में जनपद पंचायत पोहरी में 'एक बगिया मां के नाम' योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को स्वीकृत बगियों में किए जाने वाले कार्यों के संबंध में प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में सीईओ जनपद पोहरी रामपाल बघेल, ब्लॉक मैनेजर एसआरएलएम अभिषेक सक्सेना, सहायक यंत्री सतेंद्र सिंह कुशवाह, एपीओ विकास गोयल तथा उपयंत्री नीतेश गुप्ता उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान हितग्राहियों को पौधरोपण, बगिया के रखरखाव और सुरक्षा हेतु आवश्यक तकनीकी मानदंडों की जानकारी दी गई। बताया गया कि लाभार्थियों को मनरेगा के तहत अपनी ही भूमि पर 100 दिवस का रोजगार प्राप्त होगा, साथ ही बगिया के माध्यम से स्थायी आय का स्रोत बनेगा। पौधों की सुरक्षा हेतु बायर फेंसिंग का प्रावधान किया गया है, जिसका भुगतान भी मनरेगा से किया जाएगा। प्रशिक्षण में यह भी स्पष्ट किया गया कि बगिया में लगाए जाने वाले पौधों का चयन लाभार्थी स्वयं करेंगे, जबकि सामग्री एवं मजदूरी का भुगतान सीधे हितग्राही के बैंक खाते में किया जाएगा। प्रशिक्षण उपरांत टीम ने ग्राम तिमाउनी सलोदा में एक हितग्राही के खेत पर स्थापित 'एक बगिया मां के नाम' परियोजना का निरीक्षण किया और आवश्यक सुधार संबंधी सुझाव प्रदान किए।ताँछ की जावेगी

ऑनलाइन हाजरी को लेकर सचिवों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध।

क्यूँ न लिखूँ सच/ मुरादाबाद। प्रदेश व्यापी आह्वान पर मंगलवार को ग्राम पंचायत अधिकारियों ने ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में काली पट्टी बांधकर काम किया। ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद कुमार सागर ने भी काली पट्टी बांधकर ग्राम पंचायत शाहापुर में कार्य किया। जिसमें 5 दिसंबर में इस को लेकर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। चार दिसंबर तक इसी तरह से काली पट्टी बांधकर काम करेंगे। आंदोलन 15 दिसंबर तक जारी रहेगा।

पैतृक संपत्ति विवाद के लेकर डीएम से मिले चंद्रचूड़, बोले- जमीन बेचने की हो रही साजिश

चंद्रचूड़ अपनी मां के साथ कलेक्ट्रेट स्थित डीएम कार्यालय पहुंचे। वहां पर उनके साथ फोटो खिंचवाने वालों की भीड़ लग गई। डीएम संजीव रंजन से चंद्रचूड़ ने मुलाकात की और अपनी बात रखी।बॉलीवुड अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह परिवार में पैतृक संपत्ति के विवाद को लेकर अलीगढ़ के डीएम संजीव रंजन से मिले। उन्होंने कहा कि पैतृक संपत्ति को बेचने की साजिश रची जा रही है। संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने की कोशिश हो रही है। अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह अपनी पैतृक संपत्ति विवाद को लेकर अलीगढ़ आए हुए हैं। उन्होंने 1 दिसंबर को सुबह अपनी मां और दो भाइयों के साथ एसएसपी नीरज जादौन से मुलाकात कर प्रार्थना पत्र देकर शिकायत में कहा कि उनकी संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने की कोशिश की जा रही है। इसके बाद जलालपुर हवेली पर मीडिया को बताया कि पिता कैप्टन बलदेव सिंह सेना में सेवाएं देने के साथ-साथ अलीगढ़ शहर के विधायक भी रहे हैं। वह जब छुट्टी में घर आते थे तो खुद ट्रैक्टर चलाकर खेती किया करते थे। पिता की विरासत को वह किसी भी साजिश का शिकार नहीं होने देंगे। इसके लिए कानूनी लड़ाई भी लड़ी जाएगी।2 दिसंबर को चंद्रचूड़ अपनी मां के साथ कलेक्ट्रेट स्थित डीएम कार्यालय पहुंचे। वहां पर उनके साथ फोटो खिंचवाने वालों की भीड़ लग गई। डीएम संजीव रंजन से चंद्रचूड़ ने मुलाकात की और अपनी बात रखी। डीएम संजीव रंजन ने मामले में निष्पक्ष जांच कार्रवाई का आश्वासन दिया।

दोस्तों ने कुल्हाड़ी से धड़ से अलग किया सिर...इसलिए अलग-अलग स्थानों पर फेंके अंग; अंबुज हत्याकांड की कहानी

गोरखपुर में दोस्तों ने एक युवक का गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद महराजगंज में शव फेंक दिया। आरोपियों ने सिर व धड़ अलग-अलग स्थानों पर फेंके। पुलिस ने दो आरोपियों ने पुलिस के सामने हत्या की वारदात को अंजाम देने की बात कबूल कर ली है।गोरखपुर में लेन-देन के विवाद में तिवारीपुर थाना क्षेत्र के सूरजकुंड कॉलोनी निवासी अंबुज मणि उर्फ रिशू की उसके दोस्तों ने कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को कार से महराजगंज ले जाकर सिर व धड़ अलग-अलग स्थानों पर फेंक दिए। सोमवार की देर शाम पुलिस ने अंबुज का शव बरामद कर लिया। उसके दो दोस्तों को हिरासत में लिया गया है, जबकि तीसरे की तलाश चल रही है। हिरासत में लिए गए आरोपियों ने पूछताछ में हत्या की बात कबूल की है।जानकारी के अनुसार, सूर्य विहार कॉलोनी निवासी संतोष मणि त्रिपाठी के 20 वर्षीय बेटे अंबुज उर्फ रिशू 26 नवंबर की रात तीन दोस्तों के साथ चिलुआताल थाना क्षेत्र में एक हल्दी समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकला था लेकिन देर रात तक नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई।

तिवारीपुर थाना पुलिस ने सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज की मदद से अंबुज के दो दोस्तों को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात कबूल कर ली। आरोप है कि दोनों ने कुल्हाड़ी से अंबुज का गला काटकर उसकी हत्या कर दी। शव की शिनाख्त न होने पाए और पकड़े न जाएं, इसके लिए शव को कार में लादकर महराजगंज जिले में ले गए और अलग-अलग स्थानों पर सिर व धड़ फेंक दिया। सोमवार शाम पुलिस ने आरोपी युवकों की निशानदेही पर भिटौली क्षेत्र के भैंसा-पिपरा खादर मार्ग पर अंबुज का सिर बरामद किया। इसके लगभग 10 किलोमीटर दूर श्यामदेउरवा नहर किनारे धड़ भी मिला। महराजगंज पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर साक्ष्य जुटाए। पकड़े जाने के डर से ले गए महराजगंज- जांच में सामने आया कि हत्या लेन-देन के विवाद के चलते हुई थी। आरोपी युवकों ने पुलिस को बताया कि उन्हें डर था कि यदि गोरखपुर में शव मिला तो पकड़े जाएंगे। आरोपियों के मोबाइल लोकेशन भी घटनास्थल के पास मिले हैं। तिवारीपुर पुलिस ने गुमशुदगी के प्राथमिकी में हत्या, अपहरण, साक्ष्य नष्ट करने और षड़यंत्र की धाराएं जोड़ दी हैं। इस घटना में शामिल तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। लेन-देन के विवाद में युवक की हत्या हुई है। दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि तीसरे की तलाश में दबिश दी जा रही है।- अभिनव त्यागी, एसपी सिटी

दुष्कर्म के मुकदमें का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ मुरादाबाद। पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी रहे अभियान अपर पुलिस महोदय श्री दुर्गा व

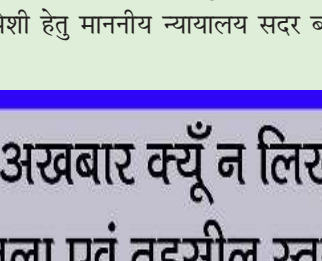

क्षेत्राधिकारी महोदय नानपारा श्री पहुप सिंह के कुशल निर्देशन व प्रभारी निरीक्षक श्री रमेश सिंह रावत के कुशल नेतृत्व में श्री उ0नि0 शिवेश कुमार शुक्ला मय पुलिस बल द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 208/2025 धारा 137(2), 87 ,64(1) BNS व 3/4 पाक्सो एक्ट से संबंधित प्रकाश में आये अभियुक्त मतलू खां पुत्र हातिम खां निवासी ग्राम बनकुरी थाना रूपइडीहा जनपद बहराइच को गिरफ्तार किया गया । दिनांक 01.12.2025 को अभियुक्त मतलू खाँ उपरोक्त जो कही भागने की फिराक में था को मुखबिर खास की सूचना पर समय 20.45 बजे बनकुरी मोड़ बाबाकुट्टी के पास से गिरफ्तार किया गया तथा आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्त मतलू खां पुत्र हातिम खां निवासी ग्राम बनकुरी थाना रूपइडीहा जनपद बहराइच को पेशी हेतु माननीय न्यायालय सदर बहराइच रवाना किया गया द्य

आज ठीक हूं, लेकिन.., राजपाल यादव की इस बात पर खूब हंसे संत प्रेमानंद, अभिनेता को दी ये सलाह

संत प्रेमानंद मिलने से मिलने के लिए बॉलीवुड के लोकप्रिय अभिनेता राजपाल यादव पहुंचे। अभिनेता की बातों को सुन प्रेमानंद महाराज भी खुद को हंसने से नहीं रोक सके। वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज से मिलने के लिए बॉलीवुड के लोकप्रिय हास्य अभिनेता राजपाल यादव पहुंचे। उनकी मुलाकात की वीडियो साशेल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

उनकी बातों को सुनकर संत महाराज भी खूब हंसे।मुलाकात के दौरान जब प्रेमानंद महाराज ने मुस्कुराते हुए पूछा, ठीक हो तो राजपाल ने अपने खास अंदाज में जवाब दिया, आज ठीक हूं लेकिन इतनी बातें दिमाग में चल रही थीं

कि अब कुछ समझ में ही नहीं आ रहा। इस पर वहां मौजूद हर व्यक्ति हंसी में डूब गया।बातचीत के दौरान राजपाल यादव ने मजाक में कहा कि द्वापर युग हुआ, कृष्णा जी थे, सब ग्वाला बने और लगता है कि मनसुखा मैं ही था।

उनके इस कथन पर संत प्रेमानंद जी महाराज जोर से हंस पड़े। राजपाल ने आगे कहा कि वे अपनी मासूमियत और सहजता को बनाए रखना चाहते हैं।

इस पर संत प्रेमानंद महाराज ने उन्हें सलाह देते हुए कहा जैसे हो वैसे ही रहो। पूरे भारत को हंसाने वाले आप ही हो।

इस मासूमियत को बनाए रखना। अंत में महाराज जी ने उन्हें नाम-जप करने की भी प्रेरणा दी, जिस पर राजपाल यादव ने दो मंत्र सुनाते हुए स्वयं को धन्य बताया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

इंजीनियर-डॉक्टर बनकर रचाई शादी, बाद में निकले किसान और ड्राइवर, वन स्टॉप सेंटर पहुंच रहीं विवाहिताएं

शामली में युवतियों को इंजीनियर, डॉक्टर या अध्यापक बनकर धोखे से शादी करने के मामले बढ़ रहे हैं। वन स्टॉप सेंटर में 5 विवाहिताओं ने शिकायत दर्ज कराई है। काउंसिलिंग के जरिए समाधान का प्रयास जारी है। शामली जिले में युवतियों को प्रेम जाल में फंसाकर फर्जी पहचान के आधार पर शादी करने के मामले सामने आ रहे हैं। खुद को इंजीनियर, अध्यापक और डॉक्टर बताने वाले युवक शादी के बाद किसान, ड्राइवर या प्राइवेट कंपाउंडर निकल रहे हैं। ऐसे ही पांच विवाहिताओं ने धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए वन स्टॉप सेंटर में शिकायतें की हैं। विभागीय अधिकारी मामलों में काउंसिलिंग कर सुलह का प्रयास कर रहे हैं। कुल पांच मामले पहुंचे ये तीन मामले सिर्फ उदाहरण हैं। वन स्टॉप सेंटर में ऐसे पांच मामले पहुंचे हैं,

जिनमें युवक शादी से पहले फर्जी पहचान बताकर धोखाधड़ी का आरोप झेल रहे हैं। सभी मामलों में काउंसिलिंग के जरिए समाधान का प्रयास किया जा रहा है। जांच-पड़ताल करके ही शादी करें- गजाला शामली वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी गजाला त्यागी ने कहा कि खुद को इंजीनियर, डॉक्टर या अध्यापक बताकर शादी करने के मामले बढ़ रहे हैं।

जांच में युवक किसान या अन्य पेशों में निकले हैं। उन्होंने अपील की कि जिस व्यक्ति से शादी करने जा रहे हैं, उसके बारे में पूरी जांच-पड़ताल अवश्य करें। परिजनों की अनुमति के बिना शादी न करें। अधिकांश शिकायतें प्रेम विवाह को लेकर आ रही हैं, जिनमें पहचान छिपाकर शादी रचाई गई है। केस एक- सहारनपुर के बेहट निवासी विवाहिता सारिका ने वन स्टॉप सेंटर में शिकायत दी कि वह पोस्ट ग्रेजुएट है। छह माह पहले उसका प्रेम प्रसंग शामली के एक युवक से हुआ। उसने खुद को डॉक्टर बताया और दोनों ने परिजनों की सहमति से जून में शादी कर ली।

शादी के बाद पता चला कि पति डॉक्टर नहीं, बल्कि एक डॉक्टर के यहां कंपाउंडर है। विवाहिता का आरोप है कि उसे एमबीबीएस डॉक्टर बताकर धोखा दिया गया। वन स्टॉप सेंटर अधिकारी दोनों की काउंसिलिंग कर सुलह कराने की कोशिश कर रहे हैं। केस दो- जलालाबाद निवासी राधिका ने बताया कि उसकी शादी तीन अप्रैल को शामली के काजीवाड़ा के युवक से हुई थी। प्रेम प्रसंग के बाद परिजनों ने शादी करा दी। शादी से पहले युवक ने खुद को दिल्ली की एक कंपनी में इंजीनियर बताया था।

अब सच पता चला है कि पति किसान है। इस बात पर आपत्ति जताने पर ससुराल पक्ष उसके साथ मारपीट कर रहा है। विवाहित ने वन स्टॉप सेंटर में गुहार लगाई। अधिकारियों का कहना है कि जांच में युवक किसान ही निकला है, जबकि विवाहिता को इंजीनियर बताया गया था। केस तीन- कैराना के आलकला मोहल्ला निवासी साजिदा ने एक नवंबर को शिकायत करते हुए बताया कि उसने तीन माह पहले प्रेम विवाह किया था। शादी से पूर्व युवक ने बताया था कि वह प्राइवेट स्कूल में अध्यापक है। अब पता चला है कि पति कोई स्थायी काम नहीं करता और कभी-कभी खेतों में मजदूरी करता है। विरोध जताने पर ससुराल पक्ष मारपीट कर रहा है। वन स्टॉप सेंटर अधिकारियों ने दोनों की काउंसिलिंग करा दी है। शामली की अंजलि ने वन स्टॉप सेंटर में थानाभवन के अपने पति के खिलाफ छह नवंबर को झूठ बोलकर शादी करने की शिकायत की। कहा कि वह इंजीनियर है, जबकि कंपनी में कार चालक निकला।

टूट गईं पसलियां, फट गए फेफड़े...खौफनाक हादसे में MBBS छात्रों की मौत, लाशों पर जख्म देख खड़े हो गए रोंगटे

आगरा में हुए दर्दनाक हादसे में एमबीबीएस छात्रों के शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। उनकी पसलियां टूट गईं। पसलियों के घुसने से फेफड़े फट गए। माथे और शरीर पर भी गहरे जख्म आए। आगरा में हाईवे पर एमबीबीएस के छात्र सिद्ध और तनिष्क की मौत कैसे हुई, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह साफ हो गया। दोनों की पसलियां टूट गईं और फेफड़े भी फट गए थे। उनके शरीर से अत्यधिक खून भी बह गया। हरीपर्वत थाना प्रभारी के मुताबिक, तनिष्क और सिद्ध के शरीर पर पांच जगह चोट के निशान पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आए हैं। तनिष्क के माथे के बीच में चोट थी। उसका सिर टकराया था। हालांकि इससे मौत नहीं हो सकती। ठोढ़ी पर भी डिवाइडर से घिसटने से चोट लगी। उनकी बाईं तरफ छाती की कई पसलियां टूट गईं। पसलियां घुसने की वजह से फेफड़े फट गए। उनके दोनों पैर के घुटनों में भी सड़क पर घिसटने से चोट लगी। इसी तरह सिद्ध की कई पसलियों में फ्रैक्चर हुआ। उनकी भी ठोढ़ी, घुटनों पर चोट लगी। मौत का कारण पसलियां टूटने के बाद फेफड़े में घुस जाने की वजह से अत्यधिक रक्त बहना है।पुलिस के देर से पहुंचने की जांच- सिद्ध के पिता राजेश अग्रवाल ने पुलिस के एक घंटे देरी से पहुंचने का आरोप लगाया था। कहा था कि अगर समय रहते इलाज मिल जाता तो दोनों की जान बच जाती। मगर राहगीरों ने भी मदद नहीं की। सहपाठी छात्र पहुंचे, तब दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के देर से पहुंचने का मामला अधिकारियों के पास पहुंचा। इस पर जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि सूचना मिलने पर 5 मिनट बाद ही पुलिस पहुंच गई थी। इसके बाद छात्रों को अस्पताल ले जाया गया।डिवाइडर से टकरा गई थी बाइक- रविवार शाम कमलानगर कर्मयोगी एंक्लेव के रहने वाले एसएन मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस तृतीय वर्ष के छात्र सिद्ध गर्ग और उनके सहपाठी हरदोई की आवास विकास कॉलोनी के तनिष्क गुप्ता की बाइक आईएसबीटी के निकट डिवाइडर से टकरा गई थी। हादसे में दोनों की इलाज के लिए ले जाते समय मृत्यु हो गई थी। परिवार के निवेदन पर देर रात ही पुलिस ने दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करवाया था। शव देख मची चीख पुकार - देर रात डेढ़ बजे जब सिद्ध का शव उनके निवास पर पहुंचा तो मां नीरू की शव को देखते ही चीख निकल गई। जवान बेटे का शव देखकर वह गश खाकर गिर पड़ीं। पानी की छींटे मारने पर जब होश आया तो बेटे के शव से लिपट कर बार-बार थोड़ी देर में आने की बोलकर जाने की बात कहने लगी। मां का हाल देखकर हर किसी की आंखों से आंसू निकल आए। कालोनी में किसी के घर में नहीं जला चूल्हा - सुबह उनकी कालोनी में किसी के घर में चूल्हा नहीं जला। हर कोई सिद्ध के व्यवहार और उसकी पढ़ाई में रुचि के बारे में ही बात कर रहा था। सोमवार सुबह दस बजे जब अंतिम यात्रा निकली तो परिवार की महिलाओं और रिश्तेदारों के आंसू देखकर हर कोई गमगीन हो गया। सैकड़ों की भीड़ के साथ शव यात्रा ताजगंज पहुंची। छोटे भाई को मुखाग्नि देते समय बड़े भाई सॉफ्टवेयर इंजीनियर अक्षत गर्ग के हाथ कांपने लगे। चचेरे भाइयों ने उन्हें ढांढस बंधाकर अंतिम संस्कार करवाया।खानदान में पहला डॉक्टर बनने जा रहा था- पिता जनरेटर कारोबारी राजेश अग्रवाल ने बताया कि बेटे पर उन्हें गर्व था। वह उनके पूरे परिवार में पहला डॉक्टर बनने वाला था। उसके भोले भाले चेहरे और मृदुभाषा को हर कोई पसंद करता था। वह बेटे से हमेशा एक दोस्त की तरह ही बात करते थे। वह और उसके ग्रुप के सभी दोस्त अपनी हर बात उनसे साझा कर लेते थे। 10वीं और 12वीं में 95 प्रतिशत लाए और पहली बार में नीट किया क्वालीफाई- पिता राजेश अग्रवाल ने बताया कि सिद्ध पढ़ने में बहुत होशियार था। 10वीं में आने के बाद उसने हर परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। पहली बार में नीट क्वालीफाई करने पर आगरा में वैश्य समाज के लोगों ने बड़ा आयोजन कर बेटे का सम्मान किया था। उसे सरकारी सीट मिली थी। सभी रिश्तेदार और कालोनी में हर कोई बेटे को डाक्टर साहब कहकर बुलाता था। यह सुन कर हमारा भी सीना गर्व से चौड़ा हो जाता था। बेटे के ऐसे छोड़कर जाने का गम अब जीवन भर साथ रहेगा।

कफ सिरप कांड की कहानी : अमित की गिरफ्तारी के बाद सामने आया यूपी कनेक्शन, ED की रडार पर पूर्वांचल के बाहुबली

मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत के बाद शुरू हुई जांच यूपी में 2000 करोड़ रुपये के कफ सिरप तस्करी नेटवर्क तक पहुंची, जिसमें शुभम जायसवाल, अमित सिंह टाटा और आलोक सिंह जैसे नाम प्रमुख आरोपियों में शामिल बताए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में कफ सिरप पीने से हुई बच्चों की मौत के बाद यूपी में छापेमारी शुरू हुई। यूपी में अब तक तीन गिरफ्तारी हो चुकी हैं। बता दें कि यूपी में जो कफ सीरप पकड़ा गया, उसमें कोडीन की मात्रा अधिक पाई गई। इसलिए उसे कोडीन मिक्स कफ सीरप कहा गया। जो अक्सर नशे के लिए इस्तेमाल किया जाता था। इस दौरान कई बड़े नाम भी सामने आए हैं। आलोक सिंह, अमित सिंह टाटा और शुभम जायसवाल।इनकी तिकड़ी को इस सिंडीकेट का असली संचालक माना जा रहा है। इनकी पूर्व सांसद धनंजय सिंह के साथ उनकी तमाम फोटो और वीडियो एजेंसियों के लिए जांच का विषय बनती जा रही हैं। फर्जी फर्मों के जरिए वाराणसी का दवा व्यापारी इस पूरे सिंडिकेट का किंगपिन बताया जा रहा है। कोडीन मिक्स कफ सिरप की सप्लाई के सिंडिकेट को शुभम जायसवाल फर्जी फर्मों के जरिए चला रहा था।गाजियाबाद, वाराणसी में गोदाम बनाकर इस कफ सिरप की सप्लाई यूपी से झारखंड, पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश और बिहार से नेपाल तक की जा रही थी। अब एसटीएफ अमित सिंह टाटा, विभोर राणा, विशाल सिंह के साथ आलोक सिंह को भी रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। देश के तमाम राज्यों और बांग्लादेश आदि देशों में नशीले कफ सिरप की तस्करी के बारे में तथ्य जुटाएगी। आखिर कफ सिरप कांड में यूपी की एंट्री कैसे हो गई? कौन-कौन लोग इसमें शामिल हैं? किन के नाम सामने आ सकते हैं? इस पर ईडी और एसटीफ की जांच कहां तक पहुंची है।ईडी के निशाने पर ये लोग- ईडी के निशाने पर खासकर मुख्य आरोपियों में शामिल शुभम जायसवाल, अमित सिंह टाटा, बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, विभोर राणा, विशाल सिंह, भोला जायसवाल, आसिफ, वसीम, सौरभ त्यागी समेत 50 से ज्यादा आरोपी हैं, जिनके खिलाफ वाराणसी, जौनपुर, सोनभद्र, गाजियाबाद, लखनऊ, भदोही, चंदौली, सुल्तानपुर, गाजीपुर आदि जिलों में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। इन सभी की फर्मों के जरिए हुए लेन-देन का ब्योरा जुटाया जा रहा है।

बाहुबलियों की कुंडली भी पता लगा रहे- ईडी के अधिकारी इस मामले में पूर्वांचल के दो बाहुबलियों और राजनेताओं की कुंडली भी खंगाल रहे हैं, जो शुभम जायसवाल को संरक्षण दे रहे थे। इनमें एक बाहुबली को शुभम द्वारा प्रोटेक्शन मनी भी देने के सुराग मिले हैं। पूर्व सांसद रह चुके इस बाहुबली की कंपनियों के जरिए हुए लेन-देन का पता भी लगाया जा रहा है। इसका जिम्मा ईडी की प्रयागराज यूनिट को सौंपा गया है। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के उन अधिकारियों का नाम भी पता लगाए जा रहे हैं, जिन्होंने इन फर्मों को लाइसेंस दिया था। इनमें एक सहायक आयुक्त की भूमिका की गहनता से जांच हो रही है।एसआईटी तैयार कर रही गैंगचार्ट- वहीं दूसरी ओर वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट इस प्रकरण की जांच के लिए गठित एसआईटी आरोपियों का गैंग चार्ट तैयार कर रही है, जिसके बाद उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की जाएगी। सभी आरोपियों की संपत्तियों को चिन्हित कर उन्हें जब्त किया जाएगा। वाराणसी के पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने बताया कि एसआईटी तेजी से इस मामले की जांच कर रही है। रिपोर्ट मिलने के बाद उसे शासन भेजा जाएगा।

छह जिलों में 11 फर्मों पर एफआईआर- खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने अब तक छह जिलों में 11 फर्मों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इन फर्मों की जांच में तमाम अनियमितताएं मिलने के बाद बीएनएस और एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कराए गए हैं। इसमें जौनपुर की चार फर्में वान्या इंटरप्राइजेज, आकाश मेडिकल स्टोर, मनीष मेडिकल स्टोर और शिवम मेडिकल स्टोर शामिल हैं। इसके अलावा भदोही, सोनभद्र, लखीमपुर खीरी, प्रयागराज और बहराइच की फर्में भी शामिल हैं। बता दें कि विभाग द्वारा अब तक नौ जिलों में 98 एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी हैं।

ऐसे चलता था तस्करी नेक्सस- अमित सिंह टाटा ने पूछताछ में कबूला कि शुभम ने धनबाद में देव कृपा मेडिकल एजेंसी और वाराणसी में श्री मेडिकल नाम से फर्जी फर्में बनवाईं।सारा लेन-देन शुभम और उसकी टीम संभालती थी। शुभम ने अमित को लालच दिया कि कफ सिरप तस्करी से 5 लाख रुपये लगाकर 30 लाख रुपये कमाए जा सकते हैं। कफ सिरप का सबसे बड़ा बाजार पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में है। सिरप फर्जी बिल और ई-वे बिल बनाकर भेजा जाता था। एसटीएफ की पूछताछ में टाटा ने कहा कि एबॉट कंपनी के अधिकारियों की मिलीभगत से 100 करोड़ से अधिक का फेंसिडिल खरीदा गया। कंपनी ने बाद में उत्पादन रोक दिया, लेकिन शुभम की फर्में फिर भी सुपर स्टॉकिस्ट बनी रहीं, जिससे फर्जीवाड़ा साबित होता है।

ऐसे शुरू हुई जांच- नकली कफ सिरप मामले की जांच फरवरी 2024 में शुरू हुई।

संक्षिप्त समाचार

होटल के कमरे में सीक्रेट कैमरा: बला की खूबसूरत महिला के जाल में फंसकर हो जाएंगे बर्बाद, पुलिस ने दबोचा गिरोह

आगरा पुलिस के हाथ ऐसे गैंग लगा है, जो पुरुषों को टारगेट बनाता है। गिरोह की महिला सदस्य अपने हुस्न के जाल में फंसाती है।

इसके बाद होटल के कमरे में उनका अश्लील वीडियो चुपके से बना लिया जाता है। इसके बाद उन्हें ब्लैकमेल किया जाता है। आगरा पुलिस ने ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसकी महिला अपनी खूबसूरती के जाल में पुरुषों को फंसाती है। इसके बाद होटल के कमरे में बुलाती है। वहां पहले से ही सीक्रेट कैमरा लगा दिया जाता है। इसके बाद अश्लील वीडियो तैयार करते हैं। इसके बाद ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू होता है।प्रेमजाल में फंसा कर ब्लैकमेलिंग करने वाले गैंग के दो सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पहले बातों में फंसाने के बाद महिला होटल में बुलाकर संबंध बनाती थी। स्पाई कैमरे से वीडियो बनाने के बाद साथी युवक रियाज पुलिसकर्मी बनकर डराता था। महिला तीन व्यक्तियों से ठगी करने के बाद चौथे की शिकायत करने डीसीपी सिटी के पास पहुंची थी। इसके बाद थाना पुलिस को जांच में महिला के मोबाइल से थर्डआई कैमरा और कई लोगों के अश्लील वीडियो मिले। महिला ने शिकायत भी फर्जी नाम से की थी। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया है। उनके तीन अन्य साथियों को पुलिस तलाश की जा रही है।

अयोध्या में अब 52 एकड़ में बनेगा वर्ल्ड-क्लास मंदिर संग्रहालय, टाटा ग्रुप करेगा निर्माण और संचालन

निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि टाटा सन्स ने अपने सीएसआर फंड से एक अत्याधुनिक मंदिर संग्रहालय विकसित करने और उसका संचालन करने की इच्छा व्यक्त की है।योगी सरकार ने अयोध्या को विश्व स्तर पर एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कैबिनेट ने टाटा सन्स के सहयोग से अयोध्या में प्रस्तावित विश्व स्तरीय 'मंदिर संग्रहालय' का दायरा और बड़ा कर दिया है।कैबिनेट में हुई चर्चा और उसके आधार पर लिए गये निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि टाटा सन्स ने अपने सीएसआर फंड से एक अत्याधुनिक मंदिर संग्रहालय विकसित करने और उसका संचालन करने की इच्छा व्यक्त की है। इसके लिए कम्पनी एक्ट 2013 की धारा 8 के तहत एक गैर-लाभकारी एसपीवी बनाया जाएगा, जिसमें भारत सरकार और राज्य सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। परियोजना हेतु भूमि आवंटन के लिए भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और टाटा सन्स के बीच त्रिपक्षीय एम्ओयू बीते 3 सितंबर 2024 को हस्ताक्षरित हो चुका है।वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि पूर्व में प्रदेश सरकार ने अयोध्या के मांझा जमथरा गांव में 25 एकड़ नजूल भूमि टाटा सन्स को 90 वर्षों के लिए उपलब्ध

कराने की अनुमति दी थी, लेकिन टाटा संस ने संग्रहालय की भव्यता के दृष्टिगत अधिक भूमि की अपेक्षा की थी। ऐसे में अब इस भूमि के अतिरिक्त 27.102 एकड़ और मिलाकर कुल 52.102 एकड़ भूमि का निःशुल्क हस्तांतरण आवास एवं शहरी नियोजन विभाग से पर्यटन विभाग के पक्ष में किया जाएगा, ताकि परियोजना का दायरा और बड़ा किया जा सके। वर्ल्ड-क्लास मंदिर संग्रहालय तैयार होने के बाद अयोध्या को न सिर्फ एक नया सांस्कृतिक पहचान चिन्ह मिलेगा, बल्कि बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा होंगे। साथ ही, बढ़ते पर्यटन से सरकार को राजस्व में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी भी होगी। बता दें कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा और अब ध्वजारोहण समारोह के बाद अयोध्या में पर्यटकों का प्रवाह कई गुना बढ़ चुका है।अब रोजाना लगभग 2 से 4 लाख पर्यटक अयोध्याधाम पहुंच रहे हैं। युवा पीढ़ी, विदेशी सैलानियों और भारतीय संस्कृति में रुचि रखने वाले आगंतुकों को ध्यान में रखते हुए अयोध्या में सांस्कृतिक आकर्षणों को बढाने की दिशा में यह संग्रहालय महत्वपूर्ण होगा।

Why do players chew gum on the field? Few people know the secret behind it.

Have you ever wondered why players constantly chew gum during matches? In fact, it's not just a habit, but an effective way to improve performance and focus. Chewing gum reduces stress and increases concentration. It's a tool that both athletes and ordinary people can use to perform better in their daily lives. Chewing gum can help reduce stress. Chewing gum helps with quick reactions. Athletes use it as a focus tool. It's common how this seemingly simple act affects their performance? just a habit or a pastime, but an easy way to keep the mind students, drivers, and office professionals are using chewing mind - In recent years, considerable research has been levels. When we chew in a rhythmic pattern, areas of the brain The continuous chewing action sends a protective signal to increases blood flow to the brain, improving attention and a "grounding effect," making a person feel more stable during during long learning sessions or focused tasks. The result of and without the need for caffeine or supplements. How does coach Gurjit Kaur explained why athletes chew gum during performance. Lower cortisol means players remain calmer rhythm of chewing activates the parts of the brain responsible state of mind, preventing a drop in focus. A controlled chewing

to see players chewing gum on the field, but have you ever wondered According to numerous studies and experts, chewing gum isn't calm, focused, and active. This is why not only athletes, but also gum as a tool to improve focus. Inexpensive therapy to calm the conducted on the connection between chewing gum and stress associated with relaxation and emotional balance are activated. the brain, reducing the stress hormone cortisol. This movement concentration. The mild aroma of mint or flavored gum provides times of anxiety. Consequently, gum helps maintain mental calm these effects is that individuals are better able to manage stress— chewing gum help athletes' performance? In a viral video, fitness matches. Her findings are supported by research on sports under pressure, which helps them make better decisions. The for faster reaction times. During long matches, it maintains a steady speed can also slightly improve decision-making and mental stamina. Many athletes use gum as a "rhythmic anchor," keeping their routine and mind balanced. This is why, whether it's football, cricket, or basketball, you'll often see players chewing gum during tense moments of a match. How is this habit beneficial in daily life? Gum chewing isn't limited to sports. Many people have adopted it as an effective way to maintain focus in their daily lives. Students find chewing gum helps them concentrate better during studies or exam preparation. Chewing gum helps maintain alertness during long drives or late-night commutes. Office professionals rely on gum to maintain focus on quiet and precise tasks like reports, data analysis, or writing. The flavor and rhythm of chewing prevents the mind from wandering, increasing productivity. This simple habit helps one remain calm and composed during stressful situations like presentations or interviews. Why has chewing gum become popular as a focus tool? The growing popularity of chewing gum comes from a powerful reason: it's easy, portable, and has an immediate effect. The rhythm of chewing maintains stability and consistency during long work hours. Users report experiencing a sense of clarity and calm focus. It serves as a small "grounding technique" during times of mental fatigue or uncertainty. It also helps reduce disordered eating habits under stress. Because it can be easily carried in a pocket or bag, people can use it without hassle anywhere—in the classroom, office, or gym. Chewing gum may seem like a simple habit, but it holds many benefits for both mind and body. From athletes to students and professionals, everyone is adopting it as an easy and effective way to reduce stress, improve focus, and maintain mental balance. If you too are looking for a little calm and improved concentration in your day, chewing gum can help.

Chapped lips will become soft and pink, prepare 7 lip scrubs at home, no need to use expensive lip balms.

Cold winter winds, dehydration, and pollution often make lips dry and cracked. In such cases, homemade scrubs are a natural treatment instead of expensive lip balms, removing dead skin and leaving them soft, pink, and hydrated. In this article, we moisturized for a long time. Lips require special care in winter. pink and hydrated lips. Often, cold winds, lack of moisture, moisture, leaving them dry, lifeless, and cracked. Even situation, homemade scrubs are a great and natural option soft, pink, and hydrated. Here are some easy and effective them. Sugar and Honey Scrub - Mix half a teaspoon of honey 1-2 minutes and then rinse with lukewarm water. The sugar Coffee and Olive Oil Scrub - Make a paste by mixing one it on the lips in a circular motion. Coffee exfoliates the lips, teaspoon of finely ground oatmeal and add a little raw milk also retains moisture. Rose Petal and Milk Scrub - Grind rose for 2 minutes makes them soft and light pink. Coconut oil of coconut oil. Gently massage the lips and wipe them away. and brown sugar scrub - Mix a little brown sugar with fresh inflammation and irritation. Lemon and honey scrub - Mix a

will tell you about some such natural lip scrubs that keep lips Some home remedies can prevent chapped lips and give them dehydration, sun, and pollution all combine to strip our lips of expensive lip balms sometimes don't work long-term. In such a that not only remove dead skin from the lips but also make them homemade scrubs that you can make at home. Let's learn about with one teaspoon of brown sugar. Gently massage the lips for will remove dead skin, while the honey will retain moisture. teaspoon of coffee powder with half a teaspoon of olive oil. Rub while olive oil nourishes. Oatmeal and Milk Scrub - Take one to make a paste. This scrub is very gentle for sensitive lips and petals and add a few drops of milk to it. Rubbing it on your lips and sugar scrub - Mix half a teaspoon of sugar with one teaspoon Coconut oil locks in moisture and prevents cracking. Aloe vera aloe vera gel. This scrub helps remove dead skin while reducing few drops of lemon juice and half a teaspoon of sugar with one teaspoon of honey. This scrub removes dead skin and lightens tanning. Keep these things in mind: Scrub only 2-3 times a week; daily use can dry out your lips. Always apply lip balm or coconut oil after scrubbing. Drink plenty of water and avoid licking your lips. By using these natural scrubs, you can get rid of dryness, cracking, and dullness in just a few days, making them soft, pink, and attractive again.

Be it the Peda of Mathura or the Paan of Banaras... People come from far and wide to taste these 20 delicacies of Uttar Pradesh.

As soon as you step into the streets of Uttar Pradesh, it feels as if a new taste awaits you at every turn. The sweets, snacks, and traditional dishes here are not just a dining experience, but a story—of the cities, the people, and centuries-old culinary traditions. This is why Uttar Pradesh's special dishes not only captivate the hearts of locals but also attract tourists from far and wide. Uttar Pradesh's street food is mouth-watering. Pradesh, don't forget to try these 20 delicacies. It's The food here not only satisfies the stomach but also unique flavor, story, and style. Some eat Mathura's Peda Banaras paan. This is why these flavors of Uttar Pradesh article, let's explore 20 famous Uttar Pradesh dishes that have had sweet jalebis, but Mathura's Aloo Jalebi is a as soon as they're made, these jalebis are every food here is called "Dubki" because the potatoes are so Peda is not just a sweet, it's an emotional experience.

Each city has its own unique aroma and flavor. When visiting Uttar impossible to talk about Uttar Pradesh and not mention food and drink. connects you to culture, tradition, and emotions. Each city has its own as a prasad, while others consider themselves kings upon tasting a have made their mark not only in India but across the world. In this people come from far and wide to taste. Mathura Aloo Jalebi - You may world apart. Crispy, slightly sour and sweet, and ready to be devoured lover's favorite. Dubki Wale Aloo - The famous Kachori-potato dish ingrained in the spices that the flavor reaches the heart. Peda - Mathura's Prasad in temples, the sweetness of homes, and a favorite of travelers— what could be a better welcome than this? Malpua—soft, ghee-fried malpuas made from condensed milk—adds charm to the place, especially during festivals. Prayagraj Sakora Chaat—a paradise for chaat lovers. Crispy sakoras, topped with spices and sweet and sour chutney—hard to forget once you've tasted them. Kachori-Sabzi—The taste of Prayagraj's kachori-sabzi brings home to you. Spicy potato curry with hot kachori—the perfect combo. Samosas—the samosas here are large in size and even more delicious. The spices inside and the crispness on the outside make them special. Dahi Jalebi—a perfect blend of sweet and sour. This unique combination of cold yogurt and hot jalebi surprises everyone. Petha—Agra's petha is famous nationwide—sometimes dry, sometimes juicy, sometimes paan-flavored, sometimes chocolate. Every bite offers a different flavor. Bedmi Puri-Sabzi - Mornings here begin with Bedmi Puri and a special spicy potato curry. Tourists come especially to taste it. Chole Bhature - Delhi's Chole Bhature may be famous, but Agra's taste is completely different. The spices are mild, the Bhature fluffy, and the Chole slightly sour—a perfect balance. Aloo Chaat - Small pieces of fried potato, sprinkled with spices—those who eat Agra's Chaat are forever remembered. Lucknow's Butter Malai - This dish, available early in the winter mornings, is as light as foam and extremely delicious. One bite reveals the true passion of the Nawabs. Malai Paan - This is completely different from ordinary Paan. Soft, sweet, and filled with cream—this Paan of Lucknow is no less than a sweet. Biryani - Just the mention of Lucknow's Biryani brings joy to people. The Biryani here is not defined by spices, but by its aroma and delicacy. Pink Tea - Whether it's Kashmir's pink tea or Lucknow's pink tea, the taste is heart-warming. This tea is slightly salty and incredibly smooth. Varanasi's Malaiyo - Varanasi's Malaiyo is a favorite in winter. It's so soft it melts at the touch. It's a flavor found only in Banaras. Kachori-Sabji and Jalebi - A morning here is incomplete without Kachori and Jalebi. Banarasi people proudly embrace it as their signature dish. Banarasi Paan - It's world-famous. Banaras' Paan isn't just Paan, it's a tradition—available in every flavor, from sweet to spicy. Baati-Chokha - Baati dipped in desi ghee and smoky Chokha - is enjoyed by everyone, from children to adults.

Sunil Grover's imitation of this cricketer left Virat Kohli in splits.

Sunil Grover made Virat Kohli laugh at an event by imitating the former cricketer. Sunil imitated the cricketer's look and voice, leaving Virat Kohli in splits. Fans were delighted to see Virat

laugh and praised his comedy. Sunil Grover's imitation of the cricketer left Virat Kohli in splits - fans praised Sunil Grover's comedy. There's no doubt that Sunil Grover is the king of comedy. His collaboration with Kapil Sharma is a huge hit. The way he captures and immerses himself in his characters brings a smile to everyone's face. Sunil Grover, who has entertained everyone with his diverse portrayals, from Gutthi to Dr. Mashoor Gulati to Engineer Chumbak Mittal, recently gave Virat Kohli a stomachache. He imitated a famous cricketer so well that Virat Kohli couldn't stop laughing. This video is rapidly going viral on the internet, and fans are reacting to it. Sunil Grover imitated this cricketer - Recently, Virat Kohli and Sunil Grover attended an event, a video of which was shared by a fan page. In this video, Sunil Grover is seen dressed as legendary cricketer and former captain Kapil Dev. Sunil not only imitated Kapil Dev but also imitated his voice. Virat Kohli couldn't stop laughing after seeing Sunil Grover's Kapil Dev impersonation. Sunil Grover made him laugh so much that Virat Kohli's ribs started hurting, as can be clearly seen in this viral video. Fans were delighted to see Virat Kohli smiling openly after a long time and thanked Sunil Grover for his imitation. One user wrote, "He probably doesn't even realize that his smile changes our mood." Another user wrote, "The one who can make Salman Khan's stomach hurt is Sunil Grover...The one who can make Virat Kohli's ribs ache is Sunil Grover." Another user wrote, "Whenever Virat smiles, it feels like the world has brightened up...Thank you Sunil Grover."

Is Vijay-Fatima's love story giving competition to 'Tere Ishq Mein'? Read the box office collection

Fatima Sana Shaikh's Gustakh Ishq released on November 28th alongside Dhanush and Kriti's Tere Ishq Mein. Could this film compete with Anand L. Rai's musical romantic drama at the box office on its opening day? Let's find out the film's opening day collection. Gustakh Ishq Box Office Collection Day 1 - How much did Vijay-Fatima's film earn on its first day - The film was released on November 28th. On the last Friday of November, i.e. the 28th, two romantic films released at the box office: Gustakh Ishq and Tere Ishq Mein. Therefore, everyone's eyes were on the opening day collections of both films. Well, the opening day results are out, so let's find out how much Gustakh Ishq opened its account with. What is the story of Gustakh Ishq? Nawabuddin Saifuddin Rehman (Vijay Varma), trying to save his father's printing press in the heart of Old Delhi, becomes a student of a retired poet, Aziz (Naseeruddin Shah), and falls in love with his teacher, Minnie (Fatima Sana Shaikh). Torn between his love and respect for his mentor, Rehman must make a decision that could change his life forever. Will Rehman honor his mentor or will he be willing to do anything to win his love? This is the story of the film. Gustakh Ishq Collection Day 1 - Vijay Varma and Fatima Sana Shaikh's love story, with a runtime of 2 hours and 8 minutes, had a poor first day. It has so far earned less than ?1 crore at the box office. In terms of figures, Gustakh Ishq earned ?3.7 million on opening day. The film didn't perform well on its opening day. Now, it remains to be seen how much money it earns over the coming weekend. Could Gustakh Ishq compete with Tere Ishq Mein? Statistics show that Gustakh Ishq doesn't even come close to the Dhanush and Kriti starrer Tere Ishq.

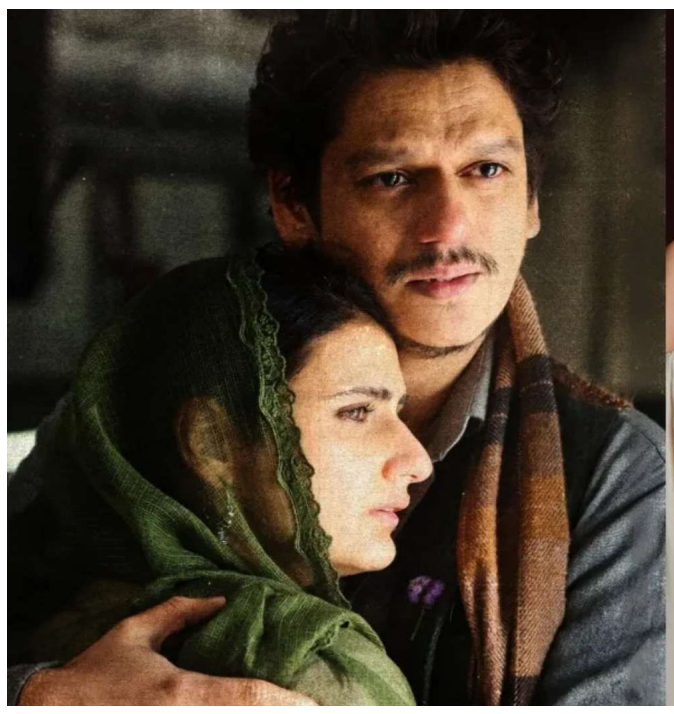

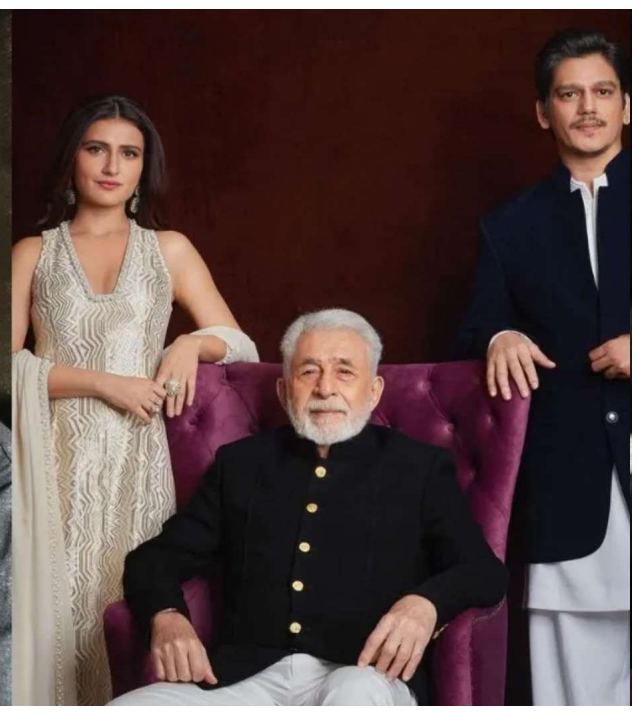

According to ScanClinic, Tere Ishq Mein has already earned approximately ?13 crore on its first day. However, only a look at the collections of both films on Saturday and Sunday will reveal which film will have a longer theatrical run. Vijay Varma, Fatima Sana Shaikh, Naseeruddin Shah, and Sharib Hashmi play key roles in Gustakh Ishq. Directed by Vibhu Puri and produced by Manish Malhotra, the film released in theaters on November 28th.

Farhana Bhatt spoke openly about her father for the first time, sharing a painful story with Tanya Mittal.

Bigg Boss Season 19 is coming to a close. The show will announce its winner next week. Farhana Bhatt is being seen as one of the strongest contestants of the season. Recently, she was seen sharing her heartfelt feelings with Tanya Mittal. Farhana Bhatt shared her heartfelt feelings with Tanya Mittal - Farhana Bhatt revealed this secret about her father - Fans were moved to tears after hearing Farhana Bhatt's story. Farhana Bhatt has emerged as one of the strongest contestants of Bigg Boss Season 19. The way she stands up for herself and single-handedly silences all the housemates makes fans believe that she deserves the trophy on Salman Khan's show more than Gaurav Khanna. Farhana Bhatt, who has fought like a one-man army against everyone from Malti Chahar to Gaurav Khanna and Pranit More, gets disturbed whenever anyone talks about her father. However, a week away from the finale, she shared with Tanya Mittal an incident related to her childhood with her father, which her fans were not aware of till now. Farhana Bhatt was unaware of her father - You can guess how much anger Farhana Bhatt has towards her father from the fact that she did not talk about him throughout the season. Even when Jyotish came to the house and asked Farhana Bhatt to forgive her father, tears welled up in her eyes and she became quite angry. However, Farhana Bhatt herself shared an incident from her school days live with Tanya Mittal, saying, "When I was in school, during a parent-teacher meeting, the teacher told me to bring my parents. Now, I had never met my father or heard about him, so I thought my father was something, something. I went to my mother and asked her to give me my father. Yesterday, the teacher said, 'Bring my father.'" Fans were moved by Farhana Bhatt's story. One user commented, "Farhana Bhatt's story is the story of every child raised by a single parent." Another user wrote, "Listening to Farhana Bhatt, it seems like we take our parents for granted, despite how much they care for us. Let us tell you that Farhana Bhatt's game is being liked by the fans, the biggest proof of which is her Instagram fan following. When she came on this show, her total followers were 44 thousand, but now it has reached 1.8 million and is continuously increasing.